राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शनिवार, 05 जुलाई 2025

वर्ष 14, अंक 86, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश , असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जमीन हड़पने की बड़ी साजिश बेनकाब, मोहनलालगंज पुलिस ने रची गिरफ्तारी की पटकथा..03

युवक को 10 लाख रुपए कमीशन न देने पर बेरहमी से पिटाई आरोपी गिरफ्तार ...04

हाई कोर्ट का अहम फैसला- शादीशुदा महिला नहीं लगा सकती झूठे शादी के वादे पर संबंध बनाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात

केरल हाई कोर्ट ने हाल ही में दुष्कर्म के एक मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि एक शादीशुदा महिला यह आरोप नहीं लगा सकती कि उसे शादी के झूठे वादे के तहत यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया। यह टिप्पणी ऐसे मामलों में न्यायिक दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती है जहाँ विवाहित महिलाएं ऐसे आरोप लगाती हैं।

कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

जस्टिस बेचू कुरियन थॉमस ने साफ किया कि जब दुष्कर्म या शादी के झूठे वादे पर धोखे से यौन संबंध बनाने के आरोपों वाले केसों की सुनवाई की जाती है, तो उससे जुड़े सभी तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करना बेहद जरूरी हो जाता है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा, "यह देखा गया है कि शादी का वादा करके दुष्कर्म करने का आरोप लगाने वाले मामलों पर विचार करते समय इस समय इस अदालत के लिए इस निष्कर्ष पर पहुंचना मुश्किल है कि संबंध सहमति से था या नहीं। पूरी परिस्थितियों को ध्यान में रखना होगा। खासकर जब एक शादीशुदा महिला किसी अन्य व्यक्ति के साथ शारीरिक संबंध बनाती है। अगर दोनों पक्ष मौजूदा विवाह के बारे में जानते हैं तो यह आरोप नहीं लगाया जा सकता है कि उनके बीच यौन संबंध शादी के वादे के लिए बनाए गए थे।" यह आदेश कोर्ट ने एक ऐसे व्यक्ति की जमानत याचिका पर दिया है, जिस पर BNS की धारा 84 (आपराधिक इरादे से एक विवाहित महिला को बहकाना या ले जाना) और 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) के तहत आरोप लगाए गए थे।

याचिकाकर्ता के वकील ने इन सभी आरोपों का खंडन किया। उन्होंने तर्क दिया कि शादी के वादे के तहत दुष्कर्म का आरोप सिर्फ इसलिए लगाया गया था ताकि याचिकाकर्ता महिला की वित्तीय मांगों को पूरा करने के लिए मजबूर हो।

शादीशुदा महिलाओं को लेकर कोर्ट का रुख

कोर्ट ने कहा कि अब निरस्त हो चुकी भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 पर हाई कोर्ट द्वारा निर्धारित उदाहरणों के अनुसार जब कोई पक्ष पहले से शादीशुदा है तो उससे शादी का वादा नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया, "इस मामले में शिकायतकर्ता महिला शादीशुदा है, इसलिए यह प्रथम दृष्टया संदिग्ध है कि क्या बीएनएस की धारा 69 के तहत संबंधित अपराध के मामले में कार्रवाई की जा सकती है।" यह भी नोट किया गया कि बीएनएस की धारा 84 के तहत लगाए गए आरोपों पर जमानत दी जा सकती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता को जमानत दे दी।

किस मामले पर हुई सुनवाई?

आरोपी के खिलाफ अभियोजन पक्ष का मामला यह था कि उसने एक महिला से शादी का झूठा वादा करके उसके साथ यौन उत्पीड़न किया। इतना ही नहीं उसने महिला के फोटो और वीडियो प्रकाशित करने की धमकी देकर उसे डराया और उससे 2.5 लाख रुपये भी ऐंठ लिए। आरोपी को 13 जून को गिरफ्तार किया गया था और तब से वह जेल में था।

कोट्टायम हादसे के बाद कांग्रेस-भाजपा का प्रदर्शन, स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग

स्वतंत्र प्रभात

केरल के कोट्टायम मेडिकल कॉलेज की इमारत का एक हिस्सा ढहने से एक महिला की मौत के बाद विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के इस्तीफे की मांग को लेकर राज्य के कई हिस्सों में शुक्रवार को प्रदर्शन किया। बृहस्पतिवार को हुई घटना में में बिंदु (52) नाम की एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि तीन अन्य लोग-अलीना (11), अमल प्रदीप (20) और जिनु साजी (38) घायल हो गए थे। भाजपा और उसकी युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने राजधानी तिरुवनंतपुरम के अलावा कोल्लम और पतनमतिट्टा सहित कई अन्य शहरों में प्रदर्शन किया। तिरुवनंतपुरम में महिलाओं सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जॉर्ज के आधिकारिक आवास तक मार्च किया, उनके और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ नारेबाजी की तथा 'भारत माता की जय' के नारे लगाए।भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन्हें रोकने के लिए पुलिस की ओर से लगाए गए बैरिकेड को पलटने की कोशिश की तथा पार्टी का झंडा लहराते हुए उन पर चढ़ गए। उन्होंने कुछ पुलिसकर्मियों की लाठियां छीन लीं, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों पर पानी की बौछार की गई।

तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस की महिला शाखा और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) की युवा शाखा ने भी जॉर्ज के कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफे की मांग की। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित दृश्यों में भाजयुमो सदस्य कोल्लम में जिला अस्पताल में विरोध-प्रदर्शन करते और अधीक्षक कार्यालय में घुसकर नारे लगाते नजर आए। कुछ दृश्यों में भाजपा कार्यकर्ता पतनमतिट्टा स्थित जॉर्ज के कार्यालय के बाहर विरोध-प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिए। पतनमतिट्टा में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक ताबूत लेकर जॉर्ज के घर तक मार्च किया, जिस पर केरल का स्वास्थ्य विभाग लिखा हुआ था। उन्होंने मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे भी लगाए। टीवी चैनल पर प्रसारित दृश्यों के मुताबिक, कोट्टायम में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज तक मार्च किया और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों पर लाठियां फेंकी। प्रसारित दृश्यों में प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड के ऊपर चढ़ते देखा जा सकता है, जिसके बाद पुलिस ने उन पर पानी की बौछार की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए विभिन्न जगहों पर बैरिकेड लगाए हैं। पलक्कड़ से कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटथिल ने बिंदु की मौत को "संस्थागत हत्या" करार दिया और आरोप लगाया कि जॉर्ज इसके लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार व्यक्ति हैं।

ममकूटथिल ने कहा कि जिलाधिकारी की ओर से की जा रही जांच अस्वीकार्य है, क्योंकि मेडिकल कॉलेज में होने वाले विकास कार्यों की निगरानी उनके अधीन है। कोट्टायम सरकारी मेडिकल कॉलेज के वार्ड 10, 11 और 14 के पास स्थित शौचालय परिसर बृहस्पतिवार को उस समय ढह गया था, जब अस्पताल का परिचालन पूरी तरह से नवनिर्मित सर्जिकल ब्लॉक में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी थी। घटना के बाद कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने बचाव अभियान शुरू करने में देरी का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लापता महिला के रिश्तेदारों की ओर से चिंता जताए जाने के बाद ही खोज अभियान गंभीरता से शुरू किया गया। कोट्टायम जिले की बिंदु को घटना के दो घंटे से ज्यादा समय बाद मलबे से निकाला गया और उसे मृत घोषित कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में बिंदु की बेटी की सर्जरी होनी थी और इसी के लिए वह अस्पताल में थी।

संक्षिप्त ख़बरें

पंजाब में दिनदहाड़े डॉक्टर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, इलाके में दहशत

पंजाब के मोगा ज़िले के कस्बा कोट इसे खां में उस समय दहशत फैल गई जब एक निजी अस्पताल में बैठे डॉक्टर अनिलजीत कांबोज (उम्र 55 साल) को दो अज्ञात युवकों ने दिनदिहाड़े गोलियां मार दीं। जानकारी के मुताबिक, डॉक्टर कांबोज हरबंस नर्सिंग होम में अपने क्लीनिक में बैठे थे। तभी दो युवक मोटरसाइकिल पर आए और उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि डॉक्टर को दो से तीन गोलियां लगी हैं और उनकी हालत बहुत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद डॉक्टर को इलाज के लिए मोगा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरी ओर, वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और क्लीनिक को अपने कब्जे में ले लिया। किसी को अंदर जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। यह भी सामने आया है कि डॉक्टर अनिलजीत कांबोज को पहले भी धमकियां मिल चुकी थीं। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है और हमलावरों की तलाश की जा रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में चोरी; तीसरी मंजिल के कोर्ट रूम घुसे चोर, कई समान पर किया हाथ साफ

प्रयागराज- उत्तर प्रदेश में चोर इतने बेखौफ हो गए है कि अब इलाहाबाद हाईकोर्ट में भी सेंध लगा दी है। चोर हाईकोर्ट की तीसरी मंजिल के कोर्ट रूम नंबर 30 में घुसे और कई समान पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने शौचालय के दरवाजों पर लगे पीतल के सामान को चुराया। जब सफाई कर्मचारियों के जरिए इस बात की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया।

शौचालय के दरवाजों पर लगे पीतल के सामान किया गायब

बता दें कि एक जुलाई 2025 को सफाई कर्मचारी जब नियमित कार्य के लिए तीसरी मंजिल के कोर्ट रूम में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देखा कि विशेष रूप से न्यायाधीशों के लिए बनाए गए शौचालय के दरवाजों पर लगे पीतल का सामान गायब था। साथ ही कई और वस्तुएं गायब थीं। वहीं, कोर्ट नंबर 70 के दरवाजे की स्लाइडिंग भी टूटी हुई थी। सफाई कर्मचारियों ने इस बात की जानकारी दी तो हड़कंप मच गया। जानकारी होने पर तुरंत रजिस्ट्रार प्रोटोकाल मौके पर पहुंचे।

दर्ज हुआ मुकदमा

इस बात की जानकारी के बाद हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार प्रोटोकॉल आशीष कुमार श्रीवास्तव ने जांच की और पूरी घटना की वीडियोग्राफी करवाई। इसके बाद तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद मामलें मे हिंदू पक्ष को लगा तगड़ा झटका, हाई कोर्ट का आया बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में एक अहम मोड़ तब आया जब इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मस्जिद को 'विवादित ढांचा" घोषित करने की मांग की गई थी। यह याचिका आवेदन संख्या-44 के रूप में प्रस्तुत की गई थी।

कोर्ट में क्या रखा गया था अनुरोध?

वादी वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने अदालत में सूट नंबर 13 के तहत एक प्रार्थना पत्र दाखिल किया था। इसमें उन्होंने अनुरोध किया था कि कोर्ट के स्टेनोग्राफर को आगे की सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद के स्थान पर 'विवादित ढांचा" शब्द का प्रयोग करने का निर्देश दिया जाए।

मुस्लिम पक्ष को राहत

इस आवेदन का मुस्लिम पक्ष ने विरोध किया और लिखित आपत्ति दाखिल की। कोर्ट ने सुनवाई के बाद हिंदू पक्ष की यह अर्जी खारिज कर दी, जिससे मुस्लिम पक्ष को बड़ी राहत मिली है। इस समय श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद से जुड़ी कुल 18 याचिकाएं अदालत में लंबित हैं, जिनकी सुनवाई जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की सिंगल बेंच द्वारा की जा रही है।

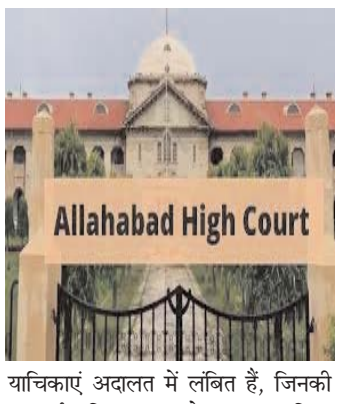

सुप्रीम कोर्ट की राह पर हिंदू पक्ष

हिंदू पक्ष की ओर से वकील महेंद्र प्रताप सिंह ने कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी याचिका को खारिज कर दिया गया है, लेकिन वे हार मानने वाले नहीं हैं। वह हाई कोर्ट के विस्तृत आदेश की प्रति प्राप्त करने के बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे।

क्या है विवाद?

यह विवाद मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद के मालिकाना हक को लेकर है। दावा किया जाता है कि मंदिर परिसर की कुल जमीन करीब 13.37 एकड़ है, जिसमें से 11 एकड़ श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के पास है, जबकि 2.37 एकड़ भूमि पर शाही ईदगाह मस्जिद स्थित है।

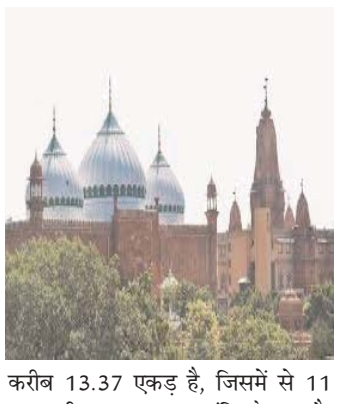

दोनों पक्षों के तर्क क्या हैं?

हिंदू पक्ष का कहना है कि मुगल सम्राट औरंगजेब ने 1669-70 में पुराने केशवदेव मंदिर को ध्वस्त कर वहां मस्जिद का निर्माण करवाया था। उनका दावा है कि यह स्थान भगवान श्रीकृष्ण का वास्तविक जन्मस्थान है और संपूर्ण भूमि मंदिर की है। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष इन आरोपों को खारिज करता है और कहता है कि मस्जिद पूरी तरह वैध तरीके से स्थापित की गई है। इस पूरे मामले को लेकर अब सबकी नजर सुप्रीम कोर्ट की संभावित सुनवाई पर टिकी हुई है।

एयर इंडिया विमान हादस में बड़ा खुलासा - क्या इंजन फेलियर थी ढाई सौ से ज्यादा मौतों की वजह

● हादसे की नई रिपोर्ट ने उड़ाए सबके होश

स्वतंत्र प्रभात

अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे को लेकर 20 दिन बाद सामने आई रिपोर्ट ने सभी को चौंका दिया है। शुरुआती जांच और सिमुलेशन से ये साफ होता जा रहा है कि हादसे की जड़ में डुअल इंजन फेलियर और क्रिटिकल सिस्टम फेलियर छिपा था। टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद विमान के दोनों इंजन अचानक बंद हो गए थे। जिससे फ्लाइट ने हवा में ही कंट्रोल खो दिया था और कुछ ही पलों में यह दिल दहला देने वाला हादसा हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, पायलटों ने फ्लाइट सिम्युलेटर में हादसे के समय के हालातों को दोहराया। इस दौरान उन्होंने लैंडिंग गियर को बाहर निकाला रखा और विंग फ्लैप्स को वापस खींचा, ताकि देखा जा सके कि इससे विमान पर क्या असर होता है। लेकिन टेस्टिंग में ये बात साफ हुई कि सिर्फ इन्हीं कारणों से हादसा नहीं हुआ हो सकता।

फ्लैप्स की स्थिति और लैंडिंग गियर का सुराग

क्रैश साइट से मिले बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के मलबे की जांच में यह पाया गया कि फ्लैप्स पूरी तरह से एक्सटेंडेड थे, यानी वे वापस नहीं खींचे गए थे। जबकि, यह तब जरूरी होता है जब विमान टेकऑफ या लैंडिंग कर रहा हो। इसके साथ ही, लैंडिंग गियर आंशिक रूप से बाहर था, और इसके दरवाज़े बंद थे– जिससे संकेत मिलता है कि हाइड्रोलिक या इलेक्ट्रिकल सिस्टम फेल हो गया होगा।

क्या ब्लैक बॉक्स से मिलेगा जवाब?

विमान के ब्लैक बॉक्स की डाटा एनालिसिस फिलहाल दिल्ली स्थित AAIB (Aircraft Accident Investigation Bureau) की लैब में हो रही है। इसी से यह साफ हो पाएगा कि टेकऑफ के ठीक बाद क्या-क्या घटनाएं घटीं और प्लेन के सिस्टम में क्या गड़बड़ी हुई।

एअर इंडिया की प्रतिक्रिया

वहीं, एअर इंडिया ने इन अटकलों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार किया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, "ये केवल कयास हैं, हम इस वक्त कोई टिप्पणी नहीं कर सकते।" जांच एजेंसियों की रिपोर्ट और ब्लैक बॉक्स डेटा के आधार पर यह तय होगा कि हादसा केवल तकनीकी खामी का नतीजा था या इसके पीछे किसी और बड़ी चूक या साजिश का एंगल भी शामिल है।

पूजा का महापाप! बहू ने की सास की निर्मम हत्या, जेठ-ससुर से लड़ाया इश्क, लिव इन में भी रही

●हत्यारिन बहू की खौफनाक साजिश के खुले शर्मनाक राज

स्वतंत्र प्रभात

झांसी - उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में जमीन और जेवरातों के लालच में एक बहू ने अपनी ही सास की हत्या करवाने के लिए एक प्लान तैयार किया। शातिर बहू पूजा जाटव की क्रिमिनल हिस्ट्री बहुत ही चौंकाने वाली निकली। जिस घर में बतौर बहू पूजा जाटव बनकर आई थी। उसी घर को पूजा जाटव ने अपने एक ऐसे खतरनाक प्लान से उजाड़ा। जिसको सुनकर हर कोई दंग रह गया। 29 साल की पूजा झांसी और ग्वालियर में तीन लोगों के साथ शादी कर या फिर लिव इन रिलेशन शिप में रह रही थी।

आरोपी पूजा ने पहले पति पर चलवा दी थीं गोलियां

पूजा जाटव के क्रिमिनल दिमाग को आप यहीं से समझ सकते हैं कि जब उसका पहले पति से झगड़ा हुआ। इसके बाद पूजा ने अपने पहले पति पर ही गोलियां चलवा दी थी। उसकी मुलाकात कल्याण से हुई यानी मृतका के पुत्र से। कल्याण की मौत 2019 में ही एक्सीडेंट में हो गई थी। कल्याण के मरने के बाद पूजा कल्याण के बड़े भाई यानी संतोष के साथ लिव इन रिलेशन में रहने लगी। अब पूजा को उस परिवार की जमीन और जेवरात नहीं मिले। इसके बाद पूजा जाटव ने ऐसा सनसनीखेज प्लान बनाया, जिसमें सास की हत्या करवाने के लिए उसने अपनी छोटी बहन और उसके दोस्त को शामिल किया और फिर सास हत्या करवा दी।

एमपी में शुरू हुआ प्रेम-प्रसंग, 6 साल साथ रहने के बाद कल्याण की हुई मौत

बता दें कि पूजा जाटव पर मध्य प्रदेश में पहले पति पर मामूली विवाद के बाद फायरिंग करवाने का आरोप लगा था। इस मामले में पुलिस ने पति की तहरीर के आधार पर पूजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पूजा को जेल भेज दिया था। पूजा जाटव एमपी में अक्सर कोर्ट में तारीख पर मुकदमे के सिलसिले जाया करती थी। जहां झांसी जिले के रहने वाले कल्याण नाम के एक शख्स से पूजा की मुलाकात हुई। कल्याण पर भी मुकदमे दर्ज थे। कल्याण भी अक्सर एमपी में कोर्ट में तारीखों पर जाया करता था। इस दौरान दोनों में प्रेम प्रसंग बढ़ा। कल्याण से पूजा जाटव ने शादी कर ली। कल्याण के साथ 6 साल रहने के बाद उसकी सड़क हादसे में मौत हो गई थी

जेठ संग लिव इन रिलेशन में रहने लगी पूजा

जिसके बाद पूजा का फिर प्रेम प्रसंग शादी शुदा जेठ संतोष से हुआ। संतोष के साथ पूजा लिव इन रिलेशन में रहने लगी। जब पूजा का विवाद संतोष की पत्नी से बढ़ा तो उसने नया पेंतरा आजमाया। सास सुशीला के नाम करीब 16 बीघा जमीन थी, जिस पर 50 फ़ीसदी मालिकाना हक पूजा जताने लगी। जेठ संतोष और ससुर पूजा को जमीन का 50 फीसदी मालिकाना हक देने को तैयार भी हो गए थे, लेकिन सास सुशीला पूजा को जमीन देने को तैयार नहीं थी। हालांकि सास और पूजा की अच्छी बनती थी। बातचीत होती थी और दोनों सास-बहू प्यार से रहती थीं।

11 दिन पहले बहू ने की थी सास की हत्या

मामला झांसी जिले के टहरौली थाना क्षेत्र के कुम्हरिया गांव का है। जहां करीब 11 दिन पहले कलयुगी बहू ने अपनी बहन के प्रेमी के साथ मिलकर 8 लाख के जेवर और जमीन को हथियाने को लेकर अपनी सास की हत्या करवा दी। हत्या के इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्यारोपी बहू और उसकी बहन को पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। वहीं छोटी बहन के दोस्त अनिल वर्मा की पुलिस, इस मामले में पिछले कई दिनों से तलाश कर रही थी।

पुलिस मुठभेड़ में घायल हुआ आरोपी अनिल

मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात पुलिस को सूचना मिली की हत्यारोपी अनिल वर्मा लूट के जेवरात को लेकर अपने किसी परिचित के घर मोटरसाइकिल से बेचने जा रहा है। मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर पुलिस ने जैसे ही अनिल को रोकने की कोशिश की। इस पर अनिल ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में हत्यारोपी अनिल को पुलिस की गोली लग गई। पुलिस ने अनिल के पास से जेवरात,कैश, तमंचा,कारतूस बरामद कर लिए हैं। फिलहाल पुलिस ने इलाज के लिए अनिल को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया है।

सास की हत्या कर मायके चली गई थी पूजा

इस पूरे मामले का खुलासा करते हुए झांसी पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कमरिया गांव में रहने वाली 55 साल की सुशीला देवी की हत्या के लिए उसकी अपनी ही बहू ने जो प्लान बनाया उसको सुनकर पुलिस सन्न रह गई थी। सास की हत्या का शक न हो इसके लिए पूजा अपने मायके चली गई और अपने ससुर और मुह बोले पति यानी जेठ को भी मायके बुला लिया। सास सुशीला को घर में अकेला करने के लिए जो प्लान बहू पूजा ने बनाया था। उसी प्लान के आधार पर पूजा ने ग्वालियर से करीब 150 किलोमीटर दूर अपनी छोटी बहन और उसके बॉय फ्रेंड अनिल को सास की हत्या करने के लिए लगा दिया। प्लान के मुताबिक सास सुशीला घर में अकेली हुई मिली। हत्यारोपी अनिल और पूजा की छोटी बहन कमला उर्फ़ कामिनी घर में गए और सास सुशीला को नशे का इंजेक्शन लगाने के बाद उसकी गला घोट कर हत्या कर दी। सुशीला की हत्या करने के बाद अनिल और कमला दोनों ने करीब 8 लाख रूपये के कीमत के जेवरात लेकर मौके से भाग गए। मृतका सुशीला के पति ने पूरे मामले की रिपोर्ट टहरौली थाने में दर्ज कराई थी।

घर में ही हो रहा था जिस्म का सौदा! मकान से आती थीं अजीब आवाजें

पड़ोसियों को हुआ शक तो बुला ली पुलिस, कमरे का हाल देख फटी रह गई आंखें, 5 गिरफ्तार

बरेली - उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में नवाबगंज क्षेत्र के एक गांव में पुलिस ने देह व्यापार का भंडाफोड़ कर चार महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान 3200 रुपये, चार मोबाइल फोन और आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की है।

नवाबगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी गौरव सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने रिचौला गांव में एक घर पर छापा मारा और इस दौरान मकान मालकिन व तीन अन्य महिलाएं एक पुरुष के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पायी गयीं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से सभी को गिरफ्तार कर लिया और मुकदमा दर्ज किया। सिंह ने कहा, शहरी इलाकों में देह व्यापार के भंडाफोड़ की घटनाएं सामान्य है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में इस तरह की अवैध गतिविधि का पाया जाना गंभीर चिंता का विषय है।

बढ़ती संवेदनहीनता आखिर इंसानियत कहां मर रही है?

हाल ही में मुंबई जैसे आधुनिक शहर में रिश्तों को शर्मसार और दिल को झकझोर देने वाला एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है. 70 साल की महिला यशोदा गायकवाड़ जो स्किन कैंसर से पीड़ित हैं उन्हें बोझ समझकर उनका ही सगा पोता कचरे के ढेर में फेंक आया। जानकारी के मुताबिक बुजुर्ग महिला के पोते सागर शेवाले ने अस्पताल में भर्ती न किए जाने के बाद अपने जीजा बाबासाहब गायकवाड़ और एक रिक्शा ड्राइवर संजय कुदशिम की मदद से दादी को आर ए कॉलोनी के कचरे के ढेर में रात के अंधेरे में फेंक दिया। यह मामला तब सामने आया जब पुलिस को सूचना मिली कि आरे कॉलोनी इलाके में एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला बेहद कमजोर हालत में पड़ी है। शनिवार सुबह पुलिस ने जब महिला को देखा, तो उसकी हालत बेहद नाजुक थी. महिला की पहचान यशोदा गायकवाड़ के रूप में हुई है. जब पुलिस ने उससे बातचीत की, तो उन्होंने बताया कि उनका पोता उन्हें यहां छोड़कर चला गया. इस खुलासे के बाद पुलिस भी हैरान रह गई. यह समझ पाना मुश्किल हो गया कि आखिर कोई पोता अपनी बीमार दादी के साथ इतनी क्रूरता कैसे कर सकता है.महिला की हालत देखकर पुलिस ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की, लेकिन हैरानी की बात यह रही कि कई अस्पतालों ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें भर्ती करने से इनकार कर दिया. अंततः शाम को उन्हें कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया. डॉक्टरों ने पुष्टि की कि महिला को त्वचा कैंसर है।

यशोदा गायकवाड़ ने पुलिस को मालाड और कांदिवली के दो पते बताए , जो उनके परिवार के हैं. पुलिस इन पतों पर जाकर परिवार के सदस्यों का पता लगाने में जुटी . साथ ही महिला की तस्वीर सभी स्थानीय पुलिस थानों में भेजी गई ताकि उनके परिजनों को ढूंढा जा सके।

पुलिस ने गंभीरता से मामले की पड़ताल की। पुलिस जांच में सामने आया है दरअसल शुक्रवार रात करीब 2 बजे सागर अपनी दादी को लेकर अस्पताल पहुंचा था, लेकिन कुछ ही मिनट बाद ढाई बजे वहां से वापस चला गया. बाद में वह महिला घायल अवस्था में गोरेगांव पूर्व स्थित कॉलोनी के कूड़े के ढेर में मिलीं. पुलिस को सूचना मिलने पर महिला को पहले ट्रॉमा अस्पताल, फिर कूपर अस्पताल में भर्ती कराया गया. जब पुलिस ने यशोदा गायकवाड़ से पूछताछ की, तो उन्होंने कुछ नाम बताए, लेकिन शुरुआत में उनके परिवार का कोई सदस्य सामने नहीं आया. सीसीटीवी फुटेज और सख्त पूछताछ के बाद सागर ने सच कबूल किया कि उसने ही अपनी बीमार दादी को कचरे में फेंक दिया था। पुलिस जांच में यह पता चला है कि पोते ने दो अन्य लोगों की मदद से मुंबई की आरे कॉलोनी के कचरे के ढेर में अपनी दादी को फेंका था। जिसके बाद आरोपी पोते और उसके सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. पुलिस जांच के मुताबिक, 70 साल की बीमार बुजुर्ग यशोदा गायकवाड़ ने बीते शुक्रवार की रात, आक्रमक होते हुए खुद का गला घोंटने की कोशिश की थी, पोते पर भी हाथ उठाया था। इस से उद्वेलित नाराज और घबराए पोते सागर ने अपने जीजा को फोन किया और दोनों यशोदा को पास के शताब्दी अस्पताल ले गए लेकिन अस्पताल ने उनको भर्ती करने से मना कर दिया। इस के बाद पोते ने जीजा के साथ मिलकर दादी से छुटकारा पाने की योजना बना डाली। दोनों ने एक ओटो रिक्शा वाले को बुजुर्ग दादी को सुनसान इलाके में लावारिस फेंकने के लिए तैयार किया। इसके लिए ओटो रिक्शा ड्राइवर को 400 रुपये भी दिए गए . ड्राइवर फिल्मसिटी में काम करता था और उस इलाके से अच्छी तरह वाकिफ था. वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर पाटिल के अनुसार, तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और महिला की हालत में सुधार हो रहा है. बता दें कि आरोपी पोते सागर शेवाले ने शुरूआती पूछताछ में मामले को झुठलाने की कोशिश की और इधर उ उधर की कहानी बनाने लगा उसके बयानों में विरोधाभास की वजह से पुलिस को उस पर शक हुआ. जिसके बाद उससे सख्ती से पूछताछ की गई. जिसमें इसने ये कबूल कर लिया कि उसने ही अपने जीजा और रिक्शा-ड्राइवर की मदद से दादी को रात में कूड़े में फेंका था.रिक्शा ड्राइवर कुदशिम को उसने इस काम के लिए 400 रुपये दिए थे. वह फिल्मसिटी में काम करता था इसलिए पास के आरे इलाकों को अच्छी तरह से जानता था. बता दें कि आरे पुलिस पोते सागर शेवाले के साथ उसके जीजा बाबा साहब गायकवाड़, और रिक्शा ड्राइवर संजय कुदशिम को हिरासत में ले लिया. वहीं स्किन कैंसर से जूझ रही बुजुर्ग महिला का इलाज मुंबई के कूपर अस्पताल में चल रहा है।

आपको बता दें कि परिजनों के प्रति क्रूरता की अनेक घटना आए दिन सामने आती रहती है वरन ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है। तीन महीने पहले झारखंड के रामगढ़ में एक ऐसा ही मामला सामने आया जब एक व्यक्ति ने अपनी बीमार मां को घर में बंद कर दिया और पत्नी, बच्चों तथा ससुराल वालों के साथ महाकुंभ में स्नान के लिए प्रयागराज चला गया था । पड़ोसियों को उसके बारे में तब पता चला जब वह भूख के कारण सहायता के लिए चिल्लाने लगी। पुलिस ने ताला तोड़कर उसे बचाया। पड़ोसियों ने तुरंत उसे खाना दिया। उसे दवाइयां भी दी गई और सीसीएल अस्पताल में भर्ती कराया गया।पुलिस ने बुधवार को रामगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुभाष नगर कॉलोनी में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के एक क्वार्टर से 65 वर्षीय महिला को मुक्त कराया। पुलिस ने बताया कि महिला सोमवार से घर में बंद थी और चूहा खाकर जिंदा थी। पड़ोसियों को उसके बारे में तब पता चला जब वह भूख के कारण सहायता के लिए चिल्लाने लगी।

पिछले दिनों ओडिशा के संबलपुर जिले के कुचिंदा में मानव शर्मसार तब बंद हुआ जब एक नवजात शिशु का शव एक बोरे में मिला। घटना कुचिंदा के खंडोकटा गांव की है। अचानक अल-सवेरे के पास एक बोरे को देखा। बोरे के पास कुत्ते नोंच नोंच कर बोरे को फाड़ने की कोशिश कर रहे थे। लोगों को इस व्यवहार पर शक हुआ। बोरे में एक नवजात शिशु का शव मिला। लोगों ने तुरंत कुचिंदा पुलिस को इसकी जानकारी दी। इस तरह की घटनाओं ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या अब इंसानी रिश्तों में भी संवेदना खत्म होती जा रही है? कोई अपना खून, वह भी पोता, अपनी बीमार दादी को इस तरह सड़कों पर मरने के लिए छोड़ दे, यह न सिर्फ कानूनन अपराध है बल्कि नैतिक रूप से भी घोर अमानवीय कृत्य है.वहीं बीमार मां को ताले में बंद कर कुंभ स्नान करने वाले पापी भी मौजूद है वहीं मासूम बच्चे को कूड़े में फेंक कर कथित ईजजत के रखवाले भी इसी समाज में छिपे हुए हैं। सवाल यह है कि इंसानियत कहां मर रही हैं? इंसान का खून पानी क्यों बन रहा है? क्या इंसानी रिश्ते बेमानी हो गए है जब खून के संबन्धों के प्रति इतनी अमानवीयता क्रूरता हैवानियत है तो समाज और दूसरे लोगों के प्रति कैसा वहशीपन हो सकता है?

मनोज कुमार अग्रवाल

राजनीतिज्ञों की हिंसक प्रवृत्ति!

स्वतन्त्र भारत की राजनीति में जिस प्रकार का नैतिक पतन हम देख रहे हैं उसे कई प्रकार से परिभाषित किया जा सकता है। यदि समाज के नजरिये से देखें तो जैसा समाज होगा वैसे ही लोग राजनीति में आकर उसका चरित्र बनायेंगे और यदि राजनैतिक नजरिये से देखें तो जो राजनीति का चरित्र होगा वैसा ही समाज बनेगा परन्तु भारतीय दृष्टि कहती है कि 'यथा राजा-तथा प्रजा'। इसका अर्थ यही है कि जैसे लोग राजनीति में आयेंगे वैसा ही वे समाज भी बनाने का प्रयास करेंगे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा संसदीय लोकतन्त्र है और यहां हर पांच साल बाद लोगों के हाथों में सत्ता परिवर्तन की चाबी रहती है। इसका मतलब यही है कि राजा जनता के बीच से ही उठकर आता है न कि किसी महारानी के पेट से जन्म लेकर किन्तु भारत की राजनीति में जिस प्रकार परिवारवाद प्रभावी है उसने लोकतान्त्रिक व्यवस्था के लिए ही चुनौती खड़ी कर रखी है क्योंकि परिवार की विरासत संभालने वाले राजनीतिज्ञ तर्क देते हैं कि जब डाक्टर का बेटा डाक्टर हो सकता है और इंजीनियर का बेटा इंजीनियर हो सकता है तो राजनीतिज्ञ का बेटा राजनीतिज्ञ क्यों नहीं हो सकता, जबकि लोकतन्त्र में जनता ही किसी राजनैतिक परिवार की विरासत संभाले व्यक्ति को बहुमत से चुनकर विधानसभा या लोकसभा में भेजती है। ऐसे तर्क हम उन नेताओं से ही प्रायः सुनते हैं जो विशिष्ट जातियों के नेता होते हैं अर्थात जातिवादी दलों की कमान संभाले होते हैं। इस जातिगत राजनैतिक व्यवस्था के चलते भारत का लोकतन्त्र ऐसे राजतन्त्र में बदल जाता है जिसमें राजा का मुंह देखकर ही आम जनता स्वयं को धन्य समझने लगती है और यह भूल जाती है कि उसे एक वोट का अधिकार दुनिया की ऐसी नियामत है जिसके प्रयोग से वह खुद भी राजा बन सकता है। सौभाग्य से भारत का प्रधानमन्त्री आज एक ऐसा व्यक्ति है जो बचपन में कभी चाय बेचा करता था। श्री नरेन्द्र मोदी का प्रधानमन्त्री बनना ही भारत के लोकतन्त्र की असलियत है जिसे परिवारवादी दल पचा नहीं पा रहे हैं । मगर आज असली सवाल राजनीति में आये नैतिक पतन का है। पतन इस हद तक आ चुका है कि मन्त्री खुद सरकारी अफसरों को पीट रहे हैं और लहूलुहान कर रहे हैं। जो मन्त्री जनता द्वारा चुना गया होता है वह अपनी कलम की जगह हाथों से काम ले रहा है।हिमाचल प्रदेश में मन्त्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है कि उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के दो अधिकारियों की पिटाई की जिनमें से एक तो अभी तक अस्पताल में दाखिल है। मन्त्री के खिलाफ प्राधिकरण की एक सड़क परियोजना के प्रबन्धक श्री अचल जिन्दल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि श्री अनिरुद्ध सिंह ने अपने चुनाव क्षेत्र में सड़क परियोजना के चलते उसके किनारे बने मकान के ढह जाने पर आक्रोशित होकर उनके साथ ही इलाके के 27 वर्षीय इंजीनियर योगेश वर्मा की भी पिटाई की और दोनों को बुरी तरह जख्मी कर दिया। दूसरी घटना ओडिशा की है जहां कुछ राजनैतिक कार्यकर्ताओं ने प्रादेशिक नागरिक सेवा के अधिकारी श्री रत्नाकर साहू के कार्यालय में घुसकर उन्हें दफ्तर से बाहर घसीट कर बुरी तरह पीटा। यह घटना भुवनेश्वर की है। अधिकारी रत्नाकर साहू भुवनेश्वर महानगर पालिका में अतिरिक्त आयुक्त पद पर आसीन हैं।

कार्य भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया जबकि जिस मन्त्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ शिमला में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई वह कांग्रेस पार्टी के हैं। भारतीय राजनीति में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है क्योंकि हिंसक तरीके अपनाने का दम भरने वाली कोई भी राजनैतिक पार्टी चुनावों में भाग नहीं ले सकती। श्री साहू ने थाने में छह अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जिसमें कहा गया है कि इन लोगों ने उनसे यह कहा कि क्या उन्होंने भाजपा नेता जग्गनाथ प्रधान से माफी मांगी या नहीं। प्रधान भुवनेश्वर भाजपा के नेता हैं। उपरोक्त दोनों घटनाएं बताती हैं कि राजनीति में हिंसक प्रवृत्ति के लोग बढ़ते जा रहे हैं और वे मन्त्री तक बन रहे हैं। जिस समय श्री साहू को दफ्तर से घसीट कर बाहर लाया गया उस समय वह आम लोगों की शिकायतें सुन रहे थे।आम जनता के सामने इस प्रकार की घटना को अंजाम देकर आखिरकार राजनैतिक कार्यकर्ता क्या पैगाम देना चाहते हैं? असली पैगाम यही है कि राजनीति गुंडा तत्वों का शरण स्थल बन रही है। इस बारे में पश्चिमी विचारक को उद्धृत किया जा सकता है। भारत में इस प्रकार की हिंसक राजनैतिक प्रवृत्ति को रोकना होगा क्योंकि सरकारी अफसर भी हमारे लोकतन्त्र का एक स्तम्भ होते हैं। चुने हुए प्रतिनिधि इन्हीं के माध्यम से विकास व प्रगति के कार्यों को कराते हैं। भारत के लोकतन्त्र की कार्यपालिका एक मजबूत खम्भा है जो अपना कार्य संविधान की शपथ लेकर ही करती है। मगर इस स्तम्भ को क्षुद्र राजनीति का शिकार प्रायः बनाया जाता है और जबरन उससे राजनीतिज्ञ अपने मनमाने फैसले लागू करने की जिद करते हैं। इसका सीधा असर समाज पर पड़ता है और उसका चरित्र भी इसी सांचे में ढलता चला जाता है। जबकि लोकतान्त्रिक राजनीति में शालीनता इसका गहना होती है। जो भी व्यक्ति राजनीति के सार्वजनिक जीवन में प्रवेश करता है उसका जीवन एक खुली किताब बन जाता है। यह इसीलिए है जिससे जनता राजनीतिज्ञों के जीवन से प्रेरणा ले सके और सभ्य व सुसंस्कृत समाज का निर्माण हो सके। महात्मा गांधी की दृष्टि यही थी। अतः बहुत जरूरी है कि हम राजनीति में हिंसक प्रवृत्ति रखने वाले व्यक्तियों को आगे न बढ़ने दें मगर जातिवादी पर परिवारवादी राजनीति के चलते यह कार्य दुष्कर होता जा रहा है।

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ.कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

मेष-किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृष-जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है। सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन-परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कार्य की गति धीमी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें।

कर्क-किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। उत्साह से काम कर पाएंगे।

सिंह-कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें।

कन्या-अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें।

तुला-यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें। आय में मनोनुकूल वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक-तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा। थकान महसूस होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु-कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यय होगा। मित्रों से मेलजोल बढ़ेगा। नए संपर्क बन सकते हैं। धनार्जन होगा।

मकर-व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं।

कुंभ-किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

मीन-दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा। निवेश शुभ रहेगा। संतान पक्ष से आरोग्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। हानि संभव है। भाइयों का साथ मिलेगा।

संपादकीय

माधवदास वैरागी कैसे बन गए बंदा सिंह बहादुर

बंदा सिंह बहादुर जिनका बचपन का नाम लक्ष्मण दास था और उनका जन्म कश्मीर के पुंछ गांव के राजौरी में 1670 ई. को हुआ। बचपन से ही वह फारसी, संस्कृत, पंजाबी आदि भाषाओं का ज्ञान रखते थे और युद्ध कला में भी निपुण थे। एक दिन शिकार के दौरान उनका तीर एक गर्भवती हिरणी को लगने से तड़प-तड़प कर उसकी और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे की मृत्यु हो गई। उसे मृत अवस्था में देख वह वैराग्य की अवस्था में आ गये और सब कुछ त्याग जंगल की ओर चल पड़े। साधू जानकी दास के संपर्क में आने के बाद उन्होंने नाम बदलकर माधवदास रख लिया। कुछ समय बाद हजूर साहिब के पास एक स्थान पर उनकी मुलाकात गुरु गोबिंद सिंह जी से हुई और उसी मुलाकात ने उनका जीवन बदल दिया और गुरु जी के बंदा बन गए। मुगल शक्ति के ना हारने और भारतीयों द्वारा उन्हें ना हरा पाने का सदियों पुराना भ्रम तोड़कर रख दिया। उनकी सूरवीरता से प्रसन्न होकर गुरु जी ने बंदा सिंह को बहादुर का खिताब दिया तभी से उन्हें बंदा सिंह बहादुर कहकर सम्बोधन किया जाने लगा।

इतिहास गवाह है कि बंदा सिंह बहादुर ने मुगलों की ईंट से ईंट बजा दी और गुरु साहिब के साहिबजादों का बदला भी मुगलों से लिया मगर अन्त में मुगलों ने उन्हें कैद कर कुतुबमीनार के सामने स्थान पर अनेक कष्ट देकर जबरन इस्लाम कबूलने को कहा गया लेकिन जब वह नहीं माने तो उनके 6 वर्षीय पुत्र अजय सिंह का कलेजा निकालकर बंदा सिंह बहादुर के मुंह में डाला गया। जो शायद पृथ्वी लोक पर अकेली ऐसी घटना है। किसी के भी बच्चे को अगर जरा सी भी चोट लग जाये तो हमारे हाथ-पांव फूल जाते हैं, पर धन्य हैं बाबा बंदा सिंह बहादुर जिन्होंने हर कष्ट तो सह लिया, पर हार नहीं मानी, आखिरकार उनकी शहादत हो गई। मगर आज दुख होता है जब कुछ एजेन्सियां और सरकारों को चलाने वाले अफसरशाही सिख विरोधी सोच के लोग उन्हें बन्दा वैरागी बताकर यह साबित करने में लगे हैं कि वह सिख नहीं थे। मगर उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि जब तक वह वैरागी थे उनमें बहादुरी नहीं थी। शक्ति उन्हें अमृतपान के बाद आई इसलिए उन्हें सम्बोधन करते समय बाबा बन्दा सिंह बहादुर का प्रयोग करना चाहिए वैरागी का नहीं।

40 दिनों में बच्चे सीख गए गुरबाणी पाठ

आज समय ऐसा आ गया है लोग अपनी मातृ भाषा में बातचीत करना तौहीन समझते हैं। 99 प्रतिशत सिखों के घरों में भी बातचीत का माध्यम अंग्रेजी या फिर हिन्दी बन चुका है। बेहतर एजुकेशन बच्चों को दिलाने के चलते हर कोई चाहता है कि उसका बच्चा कानवेंट स्कूलों में पढ़े ताकि आगे चलकर वह अपना भविष्य बेहतर बना सके मगर शायद वह यह भूल जाते हैं कि कानवेंट स्कूलों में बच्चे अंग्रेजी तो सीख जाएंगे मगर अपनी मातृ भाषा का ज्ञान उन्हें नहीं मिल सकेगा और जब बच्चे मातृ भाषा भाव गुरमुखी ही नहीं सीखेंगे तो पाठ करने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। इसी के चलते आज युवा वर्ग सिखी का त्याग करता चला जा रहा है। पहले समय में भले बच्चे स्कूलों में मातृ भाषा न भी सीखें, पर परिवार बड़े होने के चलते दादा-दादी के द्वारा ही बच्चों को अपनी भाषा, गौरवमयी विरसे की जानकारी दी जाती थी, अब तो वह भी नहीं रहा। माता-पिता बच्चों का भविष्य उज्जवल बनाने के चक्कर में दौड़- धूप की जिन्दगी व्यतीत करने को मजबूर हैं, उनके पास बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने का समय ही नहीं है। ऐसे में गुरमत कैंप ही एकमात्र विकल्प बचा है जिसमें बच्चे गुरमुखी, सिख इतिहास, कीर्तन आदि की शिक्षा ले सकते हैं मगर उनमें भी बहुत कम अभिभावक ही अपने बच्चों को भेजते हैं। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी की धर्म प्रचार कमेटी द्वारा इस बार 230 के करीब गुरमत कैंप गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए लगाए गए, इसके साथ ही एक विशेष कैंप उ.प्र. के अनूपशहर जहां गुरु हरिराय साहिब जी का आनन्द कारज हुआ था, उसी गुरुद्वारा साहिब में लगाया गया जिसमें 40 दिनों के लिए बच्चों को रखकर उन्हें अमृतवेले उठाया गया, स्नान के पश्चात पाठ, कीर्तन, पंजाबी सिखलाई की क्लास ली गई, जिसका परिणाम यह निकला कि आज वह बच्चे जिन्हें गुरमुखी का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं था, उड़ा-ऐड़ा तक नहीं आता था, मात्र 40 दिनों के भीतर वह ना सिर्फ गुरमुखी सीख गए बल्कि पाठ और कीर्तन भी करने लगे। इनमें कई बच्चे तो बहुत ही छोटी उम्र के भी थे। दिल्ली कमेटी द्वारा बकायदा उन्हें स्मृति चिन्ह एवं सर्टीफिकेट भी दिए।

सिखों की देशभक्ति पर किसी को शक नहीं

इतिहास इस बात का गवाह है कि सिख वह मार्शल कौम है जिसने देश की आजादी से लेकर आज तक जब भी देश को आवश्यकता हुई सबसे आगे बढ़कर कुर्बानियां दीं। सिखों की गिनती भले ही इस देश में 2 प्रतिशत हो मगर उनकी कुर्बानियां 85 प्रतिशत से अधिक रही हैं, यहां तक कि अंग्रेज हकूमत भी सिखों की बहादुरी के सामने घुटने टेक दिया करती थी। सारागढ़ी का युद्ध आज भी याद है जब मात्र कुछ सिख फौजियों ने हजारों की दुश्मन फौज का निडरता के साथ सामना किया। आज भी देश की सरहदों पर सिख सैनिक सीना तानकर देश की रक्षा हेतु तैनात हैं। आजादी के बाद से पंजाब का युवा सिख या तो खेती करता या फिर फौज में जाने पर गर्व महसूस करता। हालांकि बीते समय में सरकारों द्वारा बनाई गई नीतियों के चलते सिखों की सेना में भर्ती कम हुई है क्योंकि सरकारी नीति के अनुसार राज्य की संख्या के आधार पर भर्ती की जाने लगी जिसमें पंजाब से ज्यादा फौजी दूसरे राज्यों से आने लगे। आज भी अनेक ऐसे सिख परिवार हैं जिनके लड़के ही नहीं लड़कियां भी फौज में हैं। हाल ही में लेफ्टिनेंट जनरल डी. पी. सिंह जिन्हें पदोन्नित मिली तो उन्हें मैडल उनकी दोनों बेटियों ने पहनाए जो कि आर्मी में ही मेजर के पद पर तैनात थी। एक बाप के लिए यह गौरवांतित पल रहे होंगे कि उसकी बेटियां भी उसके नक्शे कदम पर चलते हुए देश की रक्षा में तत्पर हैं। मगर अफसोस तब होता है जब विदेशों में बैठे गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे वह लोग जिनकी गिनती ना के बराबर है जो सिखी स्वरूप में भी नहीं मगर अपने आप को सिख कहते हैं और खालिस्तान की बातें करते हैं। पाकिस्तान की शह पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देते हैं। उनकी वजह से समूची सिख कौम बदनाम होने लगती है।

दिलजीत के समर्थन में सिख

दिलजीत फिल्म ''सरदार जी 3'' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर की मौजूदगी को लेकर आलोचना झेल रहे हैं। तमाम भारतीय सितारों, गायकों और फिल्म संगठनों ने उनका विरोध किया है। हालांकि देखा जाए तो फिल्म में अभिनेत्री उन्हें दिलजीत ने नहीं बल्कि फिल्म के निर्माता ने लिया होगा। उसने पहलगांव हादसे के बाद जिस प्रकार भारत के खिलाफ जहर उगला उसके चलते उसकी आलोचना बनती भी है मगर जो लोग दिलजीत को गद्दार या उसके खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग कर रहे हैं उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। दिलजीत ने हमेशा ही अपने देश और कौम का गौरव बढ़ाया है। विश्व की सबसे महंगी मैग्जीन के मुख्य पृष्ठ पर आज अगर किसी भारतीय की तस्वीर छपी है तो वह दिलजीत दोसां है। कुछ लोग उसकी नागरिकता समाप्त करने तक की बात करते दिख रहे हैं जो किसी भी सूरत में सही नहीं है। दिलजीत को अब सिख नेताओं का समर्थन मिलता दिख रहा है। जिसमें दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलो, अकाली दल नेता परमजीत सिंह सरना, मनजीत सिंह जीके, भाजपा नेता आर.पी. सिंह, तख्त पटना कमेटी के प्रवक्ता हरपाल सिंह जौहल, उपाध्यक्ष गुरुविन्दर सिंह सहित अनेक नेता हैं जो दिलजीत का समर्थन करते दिखें और होना भी चाहिए क्योंकि इस सब घटनाक्रम में दिलजीत का कोई रोल नहीं है, उसे बिना वजह बदनाम किया जा रहा है। असल में देखा जाए तो इसमें वह गायक भी शामिल हैं जिनकी दिलजीत की बुलंदियां छूने के चलते लोकप्रियता समाप्त हो रही थी।

सांप्रदायिक सौहार्द और अफवाहों के दौर में संवैधानिक विवेक की ज़रूरत

भारत एक बहुधर्मी, बहुजातीय और बहुसांस्कृतिक राष्ट्र है जिसकी आत्मा उसकी विविधता में रची-बसी है। यह वह देश है जहाँ राम और रहीम एक ही खेत की उपज माने जाते हैं, जहाँ गुरुनानक, कबीर और नानक की वाणी गूंजती रही है और जहाँ संविधान ने इस विविधता को संरक्षित करते हुए सबको समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का अधिकार दिया है। परंतु बीते कुछ वर्षों में, और विशेषकर सोशल मीडिया के विस्तार के साथ, यह सौहार्द बार-बार चुनौती के घेरे में आ जाता है। अफवाहों, दुर्भावनाओं और षड्यंत्रों की आँधी में जब समाज बँटने लगता है, तब संवैधानिक विवेक और नागरिक चेतना की कसौटी सामने आ खड़ी होती है। आज के भारत में सांप्रदायिकता कोई आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि योजनाबद्ध रणनीति का हिस्सा प्रतीत होती है। चुनावी लाभ, सामाजिक ध्रुवीकरण या वैचारिक प्रभुत्व के लिए कुछ तत्व धार्मिक संवेदनाओं को हथियार बनाकर समाज को बांटने में लगे हैं। मंदिर और मस्जिद, व्रत और रमज़ान, गीता और कुरान अब किसी के व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं, बल्कि भीड़ की राजनीति का हिस्सा बना दिए गए हैं। इससे सबसे अधिक क्षति उस साझा संस्कृति को होती है जिसे भारत ने सदियों से अपने व्यवहार में आत्मसात किया है। इस पृष्ठभूमि में अफवाहों की भूमिका और अधिक खतरनाक हो जाती है। झूठी खबरें, छेड़े गए वीडियो, काल्पनिक घटनाएं और आधे-अधूरे तथ्यों पर आधारित पोस्ट, आजकल सोशल मीडिया की मुख्य पूंजी बन गई हैं। किसी एक फोटो को गलत संदर्भ में डालकर पूरा शहर जलाया जा सकता है। किसी एक अफवाह से बाजार बंद हो सकते हैं, रिश्ते टूट सकते हैं और असहिष्णुता की लपटें पूरे समाज को निगल सकती हैं। यह केवल सूचना का संकट नहीं, यह विवेक का संकट है। यहाँ संविधान की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। संविधान केवल कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के नैतिक जीवन का पथ-प्रदर्शक है। जब अफवाहें फैलती हैं, जब किसी धर्म को निशाना बनाया जाता है, जब भीड़ न्यायालय बन जाती है, तब हमें यह स्मरण करना चाहिए कि हमारा संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता की गारंटी देता है। अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है, अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का संरक्षण करता है, और अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता के मूलाधिकारों को सुनिश्चित करते हैं। इन अधिकारों की रक्षा केवल अदालतों से नहीं, बल्कि नागरिक विवेक से भी होती है। यह विवेक तब और आवश्यक हो जाता है जब शासन-प्रशासन स्वयं पक्षपातपूर्ण प्रतीत होने लगे। यदि प्रशासन किसी एक धर्म विशेष के साथ कठोर और दूसरे के साथ नरम हो, यदि पुलिस की निष्पक्षता संदेह के घेरे में आ जाए, तो लोकतंत्र की जड़ें हिलने लगती हैं। ऐसे में नागरिक समाज, मीडिया और युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इन्हें न केवल सतर्क रहना होगा, बल्कि अफवाहों का खंडन करना, संवैधानिक मूल्यों का प्रचार करना और आपसी संवाद को बढ़ावा देना भी ज़रूरी है। ध्यान देने योग्य तथ्य यह है कि सांप्रदायिक हिंसा केवल कुछ व्यक्तियों या समुदायों को ही प्रभावित नहीं करती, बल्कि यह पूरे समाज को अविश्वास, डर और नफरत के वातावरण में ढकेल देती है। जब एक मोहल्ले में कोई धार्मिक उन्माद फैलता है, तो उसके दूरगामी प्रभाव व्यापार, शिक्षा, रोजगार, और सबसे बढ़कर आपसी संबंधों पर पड़ते हैं। इसका समाधान केवल कानूनी कार्रवाई या शांति बैठक नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक पुनर्निर्माण की मांग करता है। बच्चों को बचपन से ही विविधता का सम्मान सिखाना होगा, स्कूलों में नागरिक शास्त्र को केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि व्यवहार के रूप में अपनाना होगा। सोशल मीडिया पर फैक्ट चेकिंग की आदत बनानी होगी और हर उस आवाज के साथ खड़ा होना होगा जो शांति, सह-अस्तित्व और संवाद की बात करे। किसी एक घटना से पूरे समुदाय को कलंकित करने की प्रवृत्ति को नकारना होगा और यह स्वीकार करना होगा कि देश की असली ताक़त उसकी विविधता में है, न कि एकरूपता में। यह भी आवश्यक है कि संवैधानिक संस्थाएं सशक्त और स्वतंत्र बनी रहें। न्यायपालिका को नागरिक अधिकारों की रक्षा में निर्भीक रहना होगा। चुनाव आयोग, मानवाधिकार आयोग और प्रेस परिषद जैसे निकायों को अपने दायित्व को निष्पक्षता और संवेदनशीलता से निभाना होगा। यदि ये संस्थाएं अपने कार्य से पीछे हटती हैं, तो अफवाहें, असहमति का दमन और बहुसंख्यकवादी आग्रह ही सामाजिक दिशा तय करने लगेंगे। आज जब एक छोटी सी अफवाह से पूरा समाज सुलग सकता है, तब सबसे अधिक ज़रूरत है उस विवेक की जो संविधान ने हमें सौंपा है। यह विवेक केवल किताबों में नहीं, बल्कि हमारे व्यवहार, हमारे विचार और हमारी प्रतिक्रियाओं में प्रतिबिंबित होना चाहिए। जब हम किसी धर्म विशेष के प्रति पूर्वग्रह से नहीं, बल्कि सहानुभूति से सोचने लगें, जब हम हर अफवाह पर विश्वास करने से पहले प्रश्न पूछने लगें, और जब हम हर असहमति को देशद्रोह नहीं, लोकतंत्र की आत्मा मानने लगें, तभी हम वास्तव में एक संवैधानिक नागरिक कहलाने योग्य होंगे। संविधान न तो केवल न्यायालयों की चीज़ है, न केवल अधिवक्ताओं और विधिवेताओं की संपत्ति। यह हर उस नागरिक का नैतिक दायित्व है जो भारत की एकता, अखंडता और मानवता में विश्वास रखता है। हर बार जब समाज किसी धार्मिक विवाद से जूझता है, तब यह हमसे पूछता है कि हम केवल एक भीड़ हैं या एक विवेकशील गणराज्य के उत्तरदायी नागरिक। इस प्रश्न का उत्तर हमें आज और अभी देना होगा। भारत की आत्मा बहुलता में है, और इसे बचाने का उत्तरदायित्व आज हमारे हाथों में है। आइए, हम अफवाहों के विरुद्ध विवेक की मशाल जलाएं, और सांप्रदायिकता की धुंध में संविधान की लौ को बुझने न दें।

हंसराज चौरसिया

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने प्रसिद्ध पत्थर शिवाला मंदिर का लिया जायजा

बिसवां (सीतापुर)- सावन माह के मद्देनजर बिसवां के प्रसिद्ध पत्थर शिवाला मंदिर में तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी अभिषेक आनंद और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर प्रबंधन से कांवरियों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला और नगर पालिका अधिशासी अधिकारी नीलम चौधरी को पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग और साफ-सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं और कांवरियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।अधिकारियों ने मंदिर के प्रवेश और निकास द्वार का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिव मंदिर में दर्शन कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। निरीक्षण के समय क्षेत्राधिकारी दिनेश शुक्ला, तहसीलदार उमाशंकर त्रिपाठी, प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह, आरआई आशीष यादव, जेई समर सईद सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं मंदिर के पुजारी मुन्ना, अनिमेष मानू नाग, पीयूष मौर्य समेत अनेक शिवभक्तों की भी मौजूदगी रही।

मजदूरी मांगने पर युवक से मारपीट, जान से मारने की धमकी

नगराम पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

नगराम, लखनऊ। मेहनताना मांगने पर एक मजदूर के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना थाना नगराम क्षेत्र के सलेमपुर की है, जहां पीड़ित रहीम मोहम्मद पुत्र लाल मोहम्मद ने नगराम थाने में लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। पीड़ित रहीम मोहम्मद ने पुलिस को बताया कि वह बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का काम करता है। गांव के ही शैलेंद्र कुमार उर्फ पिंटू पुत्र संतलाल निवासी उसरौरा ने उससे लगभग तीस हजार का काम करवाया था। जब बीते शुक्रवार को रहीम अपने मेहनताने की मांग करने गया, तो आरोपी शैलेंद्र ने पहले टालमटोल की और फिर गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित रहीम का आरोप है कि शैलेंद्र ने धमकी देते हुए कहा कि अगर दोबारा पैसे मांगे तो पचास हजार रुपए न देने का झूठा मुकदमा दर्ज करवा दूंगा और जान से मार दूंगा। घटना के समय गांव के कुछ लोग भी मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने पूरी घटना देखी। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और नामजद आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बघौना गांव में खेल के मैदान पर अवैध कब्जा रोका गया, प्रशासन ने की सख्त कार्रवाई

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत बघौना में गाटा संख्या 64 पर स्थित खेल के मैदान पर अवैध कब्जे की कोशिश को प्रशासन ने सख्ती से रोक दिया। गांव के ही श्रीकृष्ण नामक व्यक्ति द्वारा खेल मैदान पर मिक्सर मशीन व शटरिंग लगाकर अवैध निर्माण शुरू कराया जा रहा था।सूचना मिलते ही तहसील की लार्जेस्ट टीम मौके पर पहुंची और निर्माण कार्य रुकवाया। लेकिन टीम के लौटने के बाद दबंगों ने दोबारा काम शुरू कर दिया, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। ग्रामीणों ने दोबारा शिकायत की तो उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज अंकित शुक्ला ने तुरंत राजस्व टीम और पुलिस को मौके पर भेजा।संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया और शटरिंग व मिक्सर मशीन को जब्त कर लिया। एसडीएम अंकित शुक्ला ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की गई। राजस्व टीम को भेजकर अवैध निर्माण को रोका गया और सामान जब्त किया गया। सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी।ग्रामीणों ने प्रशासन की तत्परता की सराहना की और मांग की कि खेल मैदान की सीमांकन कर बाउंड्री वॉल बनाई जाए ताकि भविष्य में कोई पुनः कब्जा न कर सके।

जमीन हड़पने की बड़ी साजिश बेनकाब, मोहनलालगंज पुलिस ने रची गिरफ्तारी की पटकथा

● .....फर्जी विजय सिंह बनकर 22 बीघा भूमि की रजिस्ट्री कराने पहुंचा था आरोपी, पुलिस ने दबोचा।

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जाली दस्तावेज़ तैयार कर 22 बीघा भूमि पर कब्जा करने की साजिश रचने वाले एक शातिर युवक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज रजनीश वर्मा एवं प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर आरोपी को धर दबोचा।पूरा मामला बीते 18 नवंबर 2023 को उस समय सामने आया जब पीड़ित जगदीश कुमार पुत्र छोटेलाल निवासी बाजपुर, थाना बीबीडी लखनऊ ने मोहनलालगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पीड़ित का आरोप था कि कुछ लोगों ने मिलकर उसकी भूमि को कब्जाने की साजिश रचते हुए फर्जी रजिस्ट्री दस्तावेज तैयार किए हैं।पुलिस द्वारा की गई विवेचना में सामने आया कि एक युवक संकल्प पांडेय पुत्र राजेश पांडेय, निवासी इलाहाबाद ने स्वयं को विजय सिंह बताकर जमीन की रजिस्ट्री कराने की कोशिश की। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर पीड़ित की भूमि गाटा संख्या 137, रकबा 0.2780 हेक्टेयर लगभग 22 बीघा को अपना बताकर उसके जाली दस्तावेज बनवाए और उप निबंधक कार्यालय में प्रस्तुत कर दिए।हालांकि, जब रजिस्ट्री प्रक्रिया के दौरान पीड़ित को इसकी जानकारी हुई, तो उसने मौके पर आपत्ति जताई और पूरा मामला सामने आया। इसके बाद मोहनलालगंज थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और गंभीर धाराओं में केस पंजीकृत किया गया।

मामले में मुख्य अभियुक्त संदीप कुमार गौतम उर्फ जगदीश कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम मटरौखेड़ा, पोस्ट ससपन, जनपद हरदोई उम्र करीब 22 वर्ष को पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर गुरुवार को गिरफ्तार किया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और लखनऊ जाने की

फिराक में था। पुलिस टीम ने उसे एक खेत के पास से दबोच लिया। प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह ने बताया कि यह पूरा मामला एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था, जिसमें फर्जी नाम और दस्तावेज़ों के माध्यम से सरकारी रिकॉर्ड को धोखा देने का प्रयास किया गया। पुलिस की सतर्कता से न सिर्फ भूमि कब्जाने की कोशिश विफल हुई, बल्कि मुख्य आरोपी भी सलाखों के पीछे पहुंच गया। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है और अन्य सहयोगियों की तलाश के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।

मलिहाबाद- ब्राह्मण परिवार लखनऊ/ भारत (रजि.) की कार्यकारिणी बैठक रजवाड़ा लॉन पर सम्पन्न हुई

लखनऊ मलिहाबाद- उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र स्थित रजवाड़ा लॉन, में ब्राह्मण परिवार की बैठक अनय पाठक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान प्रमुख विषय सामाज के उत्थान हेतु संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक ब्राह्मण परिवारों को जोड़ने का कार्य युद्धस्तर पर किया जाना तय किया गया। चर्चा के दौरान लखनऊ से आए पदधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मलिहाबाद के प्रसिद्ध आमों का लुफ्त लिया। बैठक में मुख्यतः भानु पांडेय, एस. एन. मिश्रा (एड.), सुनील द्विवेदी, अरविन्द द्विवेदी, अभिषेक अग्निहोत्री (एड.), अनय पाठक, अमन द्विवेदी, कृष्ण कुमार तिवारी (एड.)रवि द्विवेदी,चंद्र प्रकाश अवस्थी, विवेक शुक्ला, संतोष मिश्रा, आशीष द्विवेदी, जितेंद्र अवस्थी, रिंकू अवस्थी, सहित मुख्य कार्यकारिणी उपस्थित रहे।

छठे मोहर्रम में मेंहदी जुलूस के दौरान हज़ारों श्रद्धालु हुए शामिल

स्वतंत्र प्रभात

महमूदाबाद-सीतापुर छठे मोहर्रम के अवसर पर क़िला महमूदाबाद से पारंपरिक मेंहदी जुलूस पूरी शाही साज-सज्जा के साथ निकाला गया। यह जुलूस इमाम हसन अलैहिस्सलाम के सुपुत्र जनाब कासिम अलैहिस्सलाम की याद में आयोजित किया गया। रात 8 बजे जुलूस क़िला परिसर से प्रारंभ होकर अपने निर्धारित मार्ग से होता हुआ अमीरगंज स्थित कर्बला पहुंचा। कर्बला पहुंचने के बाद जुलूस को पुनः भव्य सजावट से अलंकृत किया गया। इसमें ऊंट, अब्बासी अलम, फूलों से सजे कंवल, नाव, मोमबत्तियों से सुसज्जित तश्तरियां, शहनाई, प्रतीकात्मक दुलदुल, सबील और ताबूत शामिल थे। जुलूस की भव्यता को आतिशबाज़ी, मोमबत्ती की रोशनी और पारंपरिक साजो-सामान ने और भी मनमोहक बना दिया।ताबूत के आगे सोज़ख़ानी करते हुए अकीदतमंदों ने गम और श्रद्धा प्रकट की। मध्य रात्रि को जुलूस क़िला परिसर में लौट आया, जहां पारंपरिक रूप से उसका स्वागत किया गया।

इस धार्मिक आयोजन में स्थानीय अंजुमन हैदरी, सज्जादिया, अब्बासिया सहित हज़ारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। जुलूस के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। वक्फ मदरसा अहमदिया के मुतवल्ली, स्टाफ और क़िला प्रशासन ने जुलूस को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में सहयोग देने वाले सभी लोगों और प्रशासन का आभार प्रकट किया।

ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी समन्वय समिति की बैठक संपन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

● .... नवीन कार्यकारिणी में दीपक सिंह अध्यक्ष और अरुण कुमार सिंह महामंत्री मनोनीत।

स्वतंत्र प्रभात

गोसाईगंज/लखनऊ गुरुवार को राजधानी लखनऊ के विकासखंड गोसाईगंज सभागार कक्ष में ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी समन्वय समिति विकासखंड गोसाईगंज की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विस्तार से विचार विमर्श करने के पश्चात सर्व सम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। दीपक सिंह को अध्यक्ष, अरुण कुमार सिंह को महामंत्री, संतोष गिरी को

वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्याम सुंदर को उपाध्यक्ष और स्तुति सिंह को महिला उपाध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया। इसके अलावा, राम बहादुर शर्मा को संगठन मंत्री, संजय चौधरी को कोषाध्यक्ष, नरेंद्र यादव को ऑडिटर और विनोद कुमार गौड़ को प्रवक्ता/मीडिया प्रभारी बनाया गया। श्री राम गोपाल यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी, और अनिल कुमार सिंह, ग्राम विकास अधिकारी को संरक्षक के पद पर मनोनीत किया गया। समन्वय समिति के गठन के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि ग्राम पंचायत अधिकारी एवं ग्राम विकास अधिकारी साथियों की समस्याओं का निराकरण समय से कराया जाएगा, जिससे दोनों विभागों के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग सुनिश्चित हो सके।

श्री गांधी महाविद्यालय, सिधौली को मिला नया प्राचार्य

● डॉ. रवीन्द्र कुमार सिंह ने ग्रहण किया प्राचार्य पद का कार्यभार

स्वतंत्र प्रभात

सिधौली, सीतापुर सिधौली कस्बे के प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान श्री गांधी महाविद्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक परिवर्तन के अंतर्गत इतिहास विभाग के वरिष्ठ शिक्षक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. रवीन्द्र कुमार सिंह ने प्राचार्य पद का कार्यभार विधिवत रूप से ग्रहण किया। यह नियुक्ति प्रोफेसर धर्मेंद्र सिंह के सेवानिवृत्त होने के पश्चात की गई है, जिनके कार्यकाल को शिक्षण, अनुशासन और संस्थागत प्रगति के लिए याद किया जाएगा।

डॉ. रवीन्द्र कुमार सिंह एक समर्पित शिक्षाविद् हैं, जिनका शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव महाविद्यालय की गुणवत्ता और नवाचार को नई दिशा देगा। उनके प्राचार्य बनने पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्य डॉ. कमल जैन, शिक्षकगण, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं एवं उनके शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामनाएं व बधाई दी। डॉ. सिंह ने इस अवसर पर कहा, ÷मैं अपने कर्तव्यों के प्रति पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ महाविद्यालय की गरिमा को और ऊंचा

उठाने का सतत प्रयास करूंगा।" यह परिवर्तन न केवल महाविद्यालय के प्रशासन में नई ऊर्जा का संचार करेगा, बल्कि विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के नए आयाम खोलने में भी सहायक सिद्ध होगा।

ईंट भट्ठे में चोरी, संचालन कर रहे दो भाई फरार

● .....62,500 रुपये नगदी समेत टैबलेट, टॉर्च और दस्तावेज ले उड़े आरोपी, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा।

स्वतंत्र प्रभात

नगराम, लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के समेसी गांव स्थित एक ईंट भट्ठे में हजारों रुपये की नकदी समेत कीमती सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित चक्रवीर सिंह ने नगराम थाने में तहरीर देकर दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि जिस व्यक्ति को भट्ठा संचालन की जिम्मेदारी दी गई थी, उसी ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया और घटना के बाद से फरार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, समेसी गांव में स्थित यह ईंट भट्ठा चक्रवीर सिंह की पत्नी सरिता के नाम पर पंजीकृत है।

चक्रवीर सिंह, जो कि मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के डाढा सिकन्दरपुर गांव के निवासी हैं, ने बताया कि भट्ठे के संचालन का जिम्मा उन्होंने पवन व उसके भाई सुनील (निवासी महियावा, पोस्ट हरदोई, जिला रायबरेली) को सौंप रखा था। दोनों भाई लंबे समय से भट्ठे पर नियमित रूप से कार्य कर रहे थे।घटना 24 मई 2025 की शाम की बताई जा रही है। जब भट्ठे के परिसर में रखी अलमारी का ताला टूटा पाया गया और उसमें से 62,500 रुपये नकद, एक टैबलेट, एक हाईपॉवर टॉर्च और कुछ जरूरी दस्तावेज गायब मिले। पीड़ित द्वारा जब खोजबीन की गई तो पाया गया कि पवन और सुनील दोनों भट्ठे से गायब हैं और उनका मोबाइल भी बंद आ रहा था।इसकी सूचना उसी रात नगराम पुलिस को दी गई, लेकिन तत्काल कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके बाद चक्रवीर सिंह ने लखनऊ पुलिस कमिश्नर को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर नगराम पुलिस ने गुरुवार को पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने क्षेत्रीय विधायक श्यामसुंदर भारतीय को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात

महराजगंज रायबरेली। प्रदेश सरकार की कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को पास के विद्यालयों में विलय करने की प्रक्रिया के विरोध में प्राथमिक शिक्षक संघ ने क्षेत्रीय विधायक श्यामसुंदर भारतीय को ज्ञापन सौंपा है। गुरुवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की महराजगंज, बछरावां व शिवगढ़ समेत तीनों इकाइयों ने कस्बा स्थित कम्पोजिट कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय में क्षेत्रीय विधायक श्यामसुंदर भारती को ज्ञापन सौंपकर इस फैसले पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

शिक्षकों का कहना है कि सरकार की स्कूलों को पेयरिंग करने का यह फैसला ग्रामीण क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करेगा। दूरदराज क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होगी। उनका यह भी कहना है कि पेयरिंग नीति लागू होने से हजारों शिक्षकों व रसोइयों के पद भी समाप्त हो जाएंगे। प्राथमिक शिक्षक संघ के महराजगंज

मामले में सपा विधायक श्याम सुंदर भारती ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों के बच्चों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है तथा कम छात्र वाले स्कूलों को बंद करने के बजाय नौनिहाल बच्चों को विद्यालय आने के लिए प्रेरित करते तो यह योजना सामान्य रूप से चलती रहती इससे यह साफ जाहिर होता है कि प्रदेश की भाजपा सरकार के रहते नौनिहाल बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

ब्लाक अध्यक्ष विनोद अवस्थी ने बताया कि पेयरिंग नीति को लागू करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित प्रधानाध्यापक, ग्राम प्रधान व विद्यालय प्रबंध समिति पर दबाव बनाकर जबरिया पेयरिंग के समर्थन में प्रस्ताव भी मांगा जा रहा है। विधायक श्यामसुंदर भारती को ज्ञापन देते हुए शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने अपने फैसले को वापस नहीं लिया, तो वे प्रदेश स्तर पर व्यापक आंदोलन करेंगे। इस मौके पर बछरावां इकाई के अध्यक्ष अमन शुक्ला, शिवगढ़ के गयेंदु सिंह, महराजगंज इकाई के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष अमर पाल , सावित्री दीवान, दिव्य प्रताप, मोहम्मद सगीर, उमेश कुमार, मुकुट बिहारी, अमित शुक्ला, नीलेश कुमार, हरिकेश सिंह प्रदीप त्रिवेदी, धर्मेंद्र अवस्थी सहित कई दर्जन शिक्षक मौजूद रहे।

जबरौली गांव की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, ग्राम प्रधान ने एसडीम को दिया शिकायती पत्र

स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज तहसील क्षेत्र के जबरौली गांव में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का एक गंभीर मामला सामने आया है। जबरौली गांव की ग्राम प्रधान रेनू अवस्थी ने उप जिलाधिकारी अंकित शुक्ला को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि गांव की सार्वजनिक भूमि पर कुछ प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा फर्जी तरीके से प्लाटिंग की जा रही है।प्रधान रेनू अवस्थी के अनुसार, गांव सभा की गाटा संख्या 2163 व 2332 की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करते हुए प्रॉपर्टी डीलरों ने प्लाटिंग के बैनर लगा दिए हैं और टॉवर कंपनी के नाम पर निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह भूमि ग्राम पंचायत की है और इस पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण या बिक्री पूरी तरह से अवैध है।

ग्राम प्रधान का आरोप है कि कुछ प्रभावशाली लोगों की मिलीभगत से इस जमीन पर अवैध तरीके से कब्जा किया गया है, जिससे गांव की सार्वजनिक संपत्ति खतरे में पड़ गई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।इस मामले में जब उप जिलाधिकारी मोहनलालगंज अंकित शुक्ला से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि ÷मामले की जानकारी मिली है। शीघ्र ही जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी। सरकारी भूमि पर कोई भी अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।गांव के कुछ निवासियों ने भी ग्राम प्रधान के आरोपों की पुष्टि करते हुए बताया कि पिछले कुछ दिनों से बाहरी लोगों की गतिविधियां जमीन पर बढ़ी हैं और वहां बैनर लगाकर प्लाटिंग की जा रही है, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बन रही है।यह मामला अब प्रशासन की जांच के दायरे में आ चुका है और उम्मीद जताई जा रही है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी, ताकि भविष्य में सार्वजनिक भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

बोलेरो की पिछली सीट पर मिला युवक का शव इलाके में मचा हड़कंप, शरीर पर चोट के निशान हत्या की आशंका

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर के बटसगंज इलाके में गुरुवार सुबह एक बोलेरो गाड़ी से युवक का संदिग्ध हालात में शव मिलने से सनसनी फैल गई मृतक की पहचान जितेंद्र भार्गव (35 वर्ष) निवासी ग्राम इमलिया, थाना महोली के रूप में हुई है। वह बुकिंग पर गाड़ी चलाया करता था घटना स्थल पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है यह वारदात जिला अस्पताल-बटसगंज मार्ग पर स्थित हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक जौहरी के क्लिनिक के सामने हुई गुरुवार सुबह करीब 7 बजे स्थानीय लोगों ने कार की पिछली सीट पर युवक को अचेत पड़ा देखा काफी देर तक कोई हलचल न होने पर पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक बोलेरो रात करीब 3 बजे से वहीं खड़ी थी जिससे लोगों को शक हुआ जब पुलिस ने कार की जांच की तो पीछे की सीट पर जितेंद्र का शव मिला जिस पर चोटों के कई निशान थे जांच के दौरान पुलिस को कार से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले जिससे पता चला कि जितेंद्र ने करीब 3 महीने पहले सुमन नामक महिला से कोर्ट मैरिज की थी दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक अनूप शुक्ला और सीओ सिटी अमन सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया मामले की

गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया जिसने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए पुलिस का मानना है कि जितेंद्र बुधवार देर रात किसी बुकिंग पर सीतापुर आया था उसी दौरान उसके साथ वारदात हुई। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है बताया जा रहा है कि मृतक तीन भाइयों में एक था और परिवार में मातम पसरा है!!

पति की प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने दर्ज कराई एफआईआर

● .....पुलिस मध्यस्थता विफल होने पर मामला दर्ज।

स्वतंत्र प्रभात

नगराम। लखनऊ, गोसाईगंज थाना क्षेत्र के कपेरा मदारपुर की रहने वाली विवाहिता रिचा पुरी पत्नी मनीराम ने पति और उसके परिवारजनों के खिलाफ मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना की गंभीर शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता ने अपनी तहरीर में बताया कि उसका विवाह लगभग सात वर्ष पूर्व हिंदू रीति-रिवाज के साथ नगराम थाना क्षेत्र के अनैया खरगापुर निवासी मनीराम के साथ संपन्न हुआ था। शादी में उसके परिवार ने करीब चार लाख रुपये खर्च किए थे।

पीड़िता के अनुसार, शादी के बाद से ही पति मनीराम और उसके परिवार वाले उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि मनीराम अक्सर शराब के नशे में धुत होकर उससे मारपीट करता और जबरन अप्राकृतिक व अमानवीय संबंध बनाने का प्रयास करता था। पीड़िता ने मना किया तो उसे बेरहमी से पीटा गया और दहेज में बाइक की मांग की गई।इतना ही नहीं, पीड़िता ने यह भी बताया कि मनीराम ने दूसरी महिला से संबंध बनाकर उसे गर्भवती कर दिया और अब पीड़िता को छोड़कर दूसरी शादी की योजना बना रहा है। विरोध करने पर ससुराल पक्ष ने उसे जान से मारने की धमकी दी और घर से बाहर निकाल दिया। वह फिलहाल अपने मायके में रह रही है।इस बीच, महिला द्वारा थाने में शिकायत करने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाकर कई बार सुलह-समझौते की कोशिश की, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। दोनों पक्षों के बीच विवाद खत्म नहीं हो पाया और समझौता विफल रहा। अंततः पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया है।

पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि मनीराम के परिवार वाले लगातार दबाव बना रहे हैं कि वह दूसरी शादी को स्वीकार कर

ले, लेकिन उसने न्याय और पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता रिचा पुरी ने नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी से न्याय की गुहार लगाई है और मांग की है कि उसके पति और उसके परिजनों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि उसे और उसकी जान को सुरक्षा मिल सके। वही थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि पीड़िता द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर मीडियेशन कराया गया लेकिन प्रयास विफल रहा तब जाकर आरोपी पति ससुरालियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

निर्धारित ऊंचाई से ऊपर नहीं होंगे ताजिए मोहर्रम पर डीएम एसपी का सख्त निर्देश कर्बला स्थलों का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात

सीतापुर जनपद सीतापुर में मोहर्रम सहित आगामी त्योहारों की तैयारियों को लेकर डीएम अभिषेक आनंद और पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने खैराबाद, लहरपुर और बिसवां क्षेत्रों का दौरा किया अधिकारियों ने खैराबाद में रोजा दरवाजा, माखूपुर, पुरानी बाजार, बाजदारी टोला और कर्बला स्थलों का निरीक्षण किया। लहरपुर में चिक्की टोला और शाह चारमीना कब्रिस्तान का जायजा लिया गया बिसवां में बाबा गुलजार शाह कब्रिस्तान, पत्थर शिवाला मंदिर और बड़ा चौराहा का निरीक्षण किया गया डीएम ने सभी विभागों को कानून व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली, पानी और यातायात व्यवस्था को लेकर निर्देश दिए डीएम ने स्पष्ट किया कि ताजिए निर्धारित ऊंचाई से ऊंचे नहीं होने चाहिए डीजे पर केवल धार्मिक भजन और संगीत की ही अनुमति होगी किसी भी धर्म की भावनाओं

को ठेस पहुंचाने वाले गीत नहीं बजाए जा सकेंगे। आयोजक समितियों ने शांति बनाए रखने का आश्वासन दिया पत्थर शिवाला मंदिर में सीसीटीवी कैमरे, रोशनी और बैरिकेडिंग की व्यवस्था के निर्देश दिए गए बड़े चौराहे पर विशेष निगरानी और पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाने के आदेश दिए गए इस दौरान नगर मजिस्ट्रेट कृष्णा नंद तिवारी, एसडीएम सदर अभिनव कुमार, लहरपुर की एसडीएम आकांक्षा गौतम, बिसवां की एसडीएम शिखा शुक्ला सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे!!

संक्षिप्त खबरें

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर शाखा IIFL फाइनेंस गोल्ड लोन लिमिटेड के प्रयासों से श्री श्री जगन्नाथ रथयात्रा उत्सव में हजारों भक्तों के बीच जल वितरण

श्रीभूमि- भारत में लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए तेजी से लोन स्वीकृति, लचीले भुगतान के विकल्प और सबसे बड़ी बात सोने की उच्च सुरक्षा 500 शहरों के साथ 24 राज्यों में 2,700 से अधिक और

40 लाख से अधिक ग्राहकों की संख्या। इस IIFL FINANCE LTD, GOLD LOAN की व्यवस्था के चलते लोगों तक यह सुविधा पहुँचाने के लिए गत 2 जुलाई (गुरुवार) को श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर शाखा के IIFL फाइनेंस गोल्ड लोन लिमिटेड के द्वारा अधिकारी अमित दास और संदीप नाथ ने पूर्व हरिनगर में श्री श्री भुवनेश्वर साधू ठाकुर कलाक्षेत्र में हजारों भक्तों के बीच रथयात्रा महोत्सव में पेय जल का वितरण किया। इस प्रकार पेयजल वितरण में एक कल्याणकारी कदम लोगों के दिलों में बहुत जल्दी जगह बना लेगा, ऐसा जागरूक समुदाय का कहना है।

महाभारत प्रसंग के साथ हुआ श्रीमद्भागवत कथा का समापन

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के शांतीनगर मोहल्ला में सात दिनों से चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का बृहस्पतिवार को महाभारत के प्रसंग के साथ भावपूर्ण समापन हुआ। अंतिम दिन कथा व्यास पंडित अनिल कुमार पांडेय ने महाभारत काल में कुरुक्षेत्र के युद्धभूमि का उल्लेख करते हुए भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए गए उपदेशों का मार्मिक वर्णन किया। कथा व्यास ने कहा कि जब अर्जुन रणभूमि में अपने सगे संबंधियों को देखकर मोहग्रस्त हो गए। तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें गीता का उपदेश दिया। श्रीकृष्ण ने समझाया कि आत्मा न तो जन्म लेती है, न मरती है। जो हुआ है वह धर्म की रक्षा के लिए हुआ है और युद्ध भी धर्म की स्थापना के लिए आवश्यक है। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म का महत्व समझाया और कहा कि कर्म करते रहना चाहिए फल की चिंता नहीं करना चाहिए। कथा व्यास ने कहा कि यह उपदेश वर्तमान में भी मानव जीवन की दिशा तय करने वाला है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को सर्वाधार और सच्चिदानंद स्वरूप बताया गया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन में भाग लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कृष्ण कुमार अवस्थी, मनोज अवस्थी, राजेश निर्मल,चंद्रप्रकाश पांडे, सचिन रस्तोगी, कैलाश बाजपेई, संजय तिवारी, भास्कर, इन्द्रेश सिंह, रवींद्र, संतोष तिवारी, सुखेंद्र बहादुर सिंह, रवि बाजपेई सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

यूपी में स्कूल बंद करने का विरोध सीतापुर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, सड़कों पर आंदोलन की चेतावनी

सीतापुर उत्तर प्रदेश में 5000 जूनियर और प्राथमिक विद्यालयों को बंद या मर्जर किए जाने के खिलाफ कांग्रेस ने सीतापुर में विरोध प्रदर्शन किया कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएम कार्यालय में अपर जिलाधिकारी को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा जिला अध्यक्ष डॉ. ममता वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार बच्चों की शिक्षा के अधिकार से खिलवाड़ कर रही है उन्होंने कहा कि निजीकरण की आड़ में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया जा रहा है इससे गरीब बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा शहर अध्यक्ष शिशिर वाजपेई ने चेतावनी दी कि अगर बंद पड़े विद्यालयों को जल्द नहीं खोला गया तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी प्रदर्शन में अनुपम राठौर, अजीत बाजपेई, शिवाजी वर्मा, फारूक आलम, अनुपम द्विवेदी समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने सरकार से मांग की कि शिक्षा के क्षेत्र में जनहित को प्राथमिकता दी जाए और बच्चों के भविष्य से कोई समझौता न किया जाए!!

अठारह बांग्लादेशी नागरिकों को दक्षिण जिला एएटीएस ने पकड़कर बांग्लादेश वापस भेजा

स्वतंत्र प्रभात

नई दिल्ली: अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए, बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान चलाया गया। एएटीएस, दक्षिण जिले की टीम ने जानकारी हासिल की। तकनीकी निगरानी और स्थानीय खुफिया जानकारी के आधार पर एएटीएस दक्षिण जिले की टीम ने 18 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को पकड़ने में सफलता हासिल की, जिनमें 05 पुरुष, 07 महिलाएं और 06 बच्चे शामिल हैं। उन्हें पंचशील फ्लाईओवर, हौज खास के पास से उस समय पकड़ा गया, जब वे दिल्ली से दूसरे राज्य भागने की कोशिश कर रहे थे। लगातार पूछताछ और उनके मोबाइल फोन और मोबाइल फोन में मौजूद ऐप्स की जांच के बाद उनकी बांग्लादेशी आईडी भी बरामद कर ली गई।

इसके अलावा उचित सत्यापन के बाद सभी 18 बांग्लादेशी अवैध प्रवासियों को एफआरआरओ के जरिए वापस बांग्लादेश भेज दिया गया है। एएटीएस दक्षिण जिले की एक टीम जिसमें एसआई नवदीप नंबर डी-6139, एएसआई देशराज नंबर 2700/एसडी, एएसआई मकसूद नंबर 2276/एसडी, एचसी जोगिंदर नंबर 1272/एसडी, एचसी नरेंद्र नंबर ईश्वर नं. 2893/एसडी और कांस्टेबल कनाराम नं. 2893/एसडी को एएटीएस/एसडी से इंस्पेक्टर उमेश यादव आईसी/एएटीएस दक्षिण जिला के नेतृत्व में और श्री अरविंद कुमार एसीपी/ओपीएस की देखरेख में और श्री सुमित झा, एडिशनल डीसीपी-1/दक्षिण जिला के करीबी मार्गदर्शन में गठित किया गया।

साढ़े सताईस किलो गांजे के साथ 25 हजार का ईनामी गिरफ्तार

अलीगढ़। ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना इगलास पुलिस व क्रिमिनल इंटैलिजेन्स विंग ग्रामीण क्षेत्र की संयुक्त टीम द्वारा गांजा की तस्करी करने वाले शातिर जनपद मथुरा से 25 हजार रुपये का शातिर ईनामिया सहित दो आरापियों को मय 27 किलो 510 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गये गांजा तस्करों पर दो दर्जन से अधिक आपराधिक मुकद्दमें पंजीकृत हैं। इगलास पुलिस व क्रिमिनल इंटैलिजेन्स विंग ग्रामीण क्षेत्र की संयुक्त टीम द्वारा चैकिंग के दौरान हरीशचन्द्र पुत्र बृजकिशोर निवासी ग्राम कांका थाना इगलास, कोमल पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम कांका थाना इगलास को डबल नहर पीली कोठी के सामने से मय 27 किलो 510 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया है। बरामद नाजायज गांजा के सम्बन्ध में थाना इगलास पर एनडीपीएस एक्ट बनाम हरीशचन्द्र पुत्र बृजकिशोर निवासी ग्राम कांका थाना इगलास, कोमल पुत्र ओमप्रकाश निवासी ग्राम कांका थाना इगलास में मुकद्दमा पंजीकृत किया गया है।

युवक को 10 लाख रुपए कमीशन न देने पर बेरहमी से पिटाई आरोपी गिरफतार

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल के बुढ़ार में युवक लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा को 10 लाख की कमीशन राशि न देने पर दो लोगों ने बेरहमी से पीटा। हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया, दूसरे की तलाश जारी है। मामला दर्ज कर जांच जारी है। शहडोल जिले के बुढ़ार में भूमि की खरीदी बिक्री के मामले में एक युवक को 10 लाख रुपए का कमीशन न देने की वजह से जघन्य तरीके से पीटने का मामला सामने आया है। युवक की गंभीर हालत के मद्देनजर उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी चिकित्सा चल रही है।

पुलिस के अनुसार, घटना तीन दिन पहले की है जब लक्ष्मीकांत विश्वकर्मा नामक युवक के पास प्रकाश पाठक और लच्छू लोधी, दोनों निवासी बुढ़ार, अपनी कार से पहुंचे। उन्होंने लक्ष्मीकांत पर 10 लाख रुपए का कमीशन मांगते हुए गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार दोनों आरोपियों ने लक्ष्मीकांत को अपनी कार में बिठाकर ले जाने के बाद पहले तहसील के पास और फिर रुगंठा तिराहा के पास बेरहमी से पीटा और भाग गए। घटना के समय कुछ राहगीरों ने लक्ष्मीकांत की स्थिति को देखकर उसकी मदद की और उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

बुढ़ार पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इस मामले में प्रकाश पाठक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि लच्छू लोधी की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है। पुलिस ने कहा, हम इस मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं। पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए हम सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि आरोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिले।

श्रीभूमि जिले के हरिनगर में श्री श्री भुवनेश्वर साधुठाकुर कलाक्षेत्र में श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु के भक्तों के बीच विभिन्न गांवों के 11 रथों के आगमन से आनंदित उत्सवमय वातावरण

- रामकृष्णनगर के विधायक विजय मालाकार ने स्वयं भगवान श्री श्री जगन्नाथ के चरणों में शीश नवाया और मंदिर समिति को पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।
- शांति व्यवस्था बनाए रखने में रातबाड़ी और रामकृष्णनगर पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सीआरपीएफ बल की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही।
- रथों के संग भक्ति की सागर- श्रीभूमि जिले के हरिनगर में श्री श्री जगन्नाथ महोत्सव का भव्य आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात

श्रीभूमि जिले के हरिनगर में श्री श्री भुवनेश्वर साधुठाकुर कलाक्षेत्र, हरिनगर में इस वर्ष भी भगवान श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु की रथयात्रा में श्रद्धा, भक्ति और आनंद का सागर उमड़ पड़ा। रामकृष्णनगर विधानसभा के अंतर्गत आने वाले 11 गांवों से भक्तगण अपने-अपने सजावटी रथों के साथ उत्सव में शामिल हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सवमय वातावरण छा गया। रथों के स्वागत में फूलों की वर्षा और भगवान के जयकारों से गूंजते हरिनगर में श्रद्धालु प्रभु के दर्शन मात्र से अपने जीवन को धन्य मानते दिखे। श्री श्री जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान भक्तों में रथ की रस्सी खींचने को लेकर भारी उत्साह देखा गया। रथों से फेंके गए केले, आम, अनानास जैसे फलों को पाने की होड़ भक्तों की आस्था को और भी रंगीन बना गई। इस पवित्र अवसर पर रामकृष्णनगर के विधायक विजय मालाकार ने स्वयं भगवान श्री श्री जगन्नाथ के चरणों में सिर झुकाया और मंदिर समिति को इस धार्मिक आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने मंदिर में पहुँचने के रास्ते की मरम्मत का भी आश्वासन दिया और समिति द्वारा गमछा से स्वागत सम्मानित किया गया। विधायक के साथ ही दुल्लभछड़ा जिला परिषद के प्रणव मुर्खाजी और भैरव नगर जिला परिषद के राजेश दास और बीजेपी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे। विष्णुप्रिया मणिपुरी समुदाय के हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने उत्सव को भव्यता प्रदान की। गांव-गांव से रथ लाने वाले भक्तों ने इन्हें दीपों, फूलों और रोशनी से सजाया। पूर्व हरिनगर, पश्चिम हरिनगर, रामकृष्णनगर, आउलआला, विद्यानगर, उत्तर नयाग्राम, दक्षिण नयाग्राम, आम्रखाल, मदनपुर, तीनगड़ी, पांचडाली जैसे गांवों के रथ एकत्र होकर भुवनेश्वर साधुठाकुर कलाक्षेत्र पहुंचे, जहां आरती, संकीर्तन और महाप्रसाद वितरण के साथ समारोह की गरिमा और बढ़ी।

इस आयोजन की व्यवस्था चौबीस सदस्यीय कार्यकारी समिति द्वारा की गई, जिसमें अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, सचिव नीतु सिंह और आउलआला रथयात्रा समिति की अध्यक्ष रुनु सिन्हा सहित आउलआला मन्दिर के पूजा अर्चना पुरोहित बासदन शर्मा के सहयोग से रिषिता शर्मा, सुरक्षा सिन्हा, रिया सिन्हा, हेना सिन्हा, जीनू सिन्हा, काबू सिन्हा द्वारा की गई। आरती की गई सेना से सेवानिवृत्त जनार्दन सिन्हा ने, समिति के संयुक्त रूप से अध्यक्ष सेना से सेवानिवृत्त रुनु सिन्हा, सचिव रंजू सिन्हा और एडॉप्ट कमिटी के अध्यक्ष अनुप सिन्हा और सचिव सुबरत सिन्हा, सह बिजन सिन्हा, दीपु सिन्हा, विजय राजकुमार, शिवू सिन्हा, और लड़कियों की रथ यात्रा समिति की अध्यक्ष अनामिका सिन्हा और सचिव रिमी सिन्हा, सदस्य और सदस्याएं रामकृष्णनगर विभिन्न क्षेत्र के गांववासी सहित कई विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित रहे। सचिव नीतु सिंह ने बताया कि यह आयोजन लगातार 15 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य समाज में एकता, शांति और प्रभु प्रेम को बढ़ावा देना है।इस शुभ रथयात्रा में श्रीभूमि के सांसद कृपनाथ माला के प्रयास से पूर्व हरिनगर में श्री श्री भुवनेश्वर साधु ठाकुर कला क्षेत्र में हजारों आने वाले भक्तों के बीच महान प्रसाद वितरित किया गया। वह प्रसाद भक्तों ने भक्तिभाव से ग्रहण किया। शांति व्यवस्था बनाए रखने में रातबाड़ी और रामकृष्णनगर पुलिस प्रशासन के साथ-साथ सीआरपीएफ बल की सक्रिय भूमिका उल्लेखनीय रही। यह रथ यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि विभिन्न गांवों और समुदायों के बीच भाईचारे और सहयोग की मिसाल भी प्रस्तुत करती है।

सत्ता की आड़ में चल रहा जुगाड़रू जनपद सदस्य रहते हुए भी मैडम कर रही अतिथि शिक्षक की चाकरी

- जनजातीय कार्य विभाग और चुनाव आयोग को रखा धोखे में..!

स्वतंत्र प्रभात

शहडोल- वर्तमान परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी के नेता अपने हिसाब-किताब से तलाक को तोड़-मरोड़ कर लागू करने का प्रयास करते हुए एक दिन देखने मिल रहे हैं। खैर, सत्ता और सरकार है तो गुरु भी लाजिमी है। ऐसा ही एक ताजा मामला सामने आया है, जहां एक स्टूडेंट को गेस्ट टीचर पद का लाभ भी मिल चुका है। विचारणीय है कि, इस विषय की जानकारी होती हुई भी विद्यालय कार्यशाला सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारी मूकदर्शक बने रहे और कोई ठोस कार्रवाई को परिणित न कर सके? त्रिपुरा, यह पूरा मामला जिले के जिला पंचायत कार्यालय बुधाधार का है। इस गंभीर मामले की शिकायत डॉक्टर से की गई है। आम आदमी सुनील मिश्रा मामले में पुलिस की मौजूदगी में वकील जाने की मांग करते हुए दोषी पाए जाने पर पुलिस ने इंजीनियर की भी मांग रखी है। अब देखिएगा कि, इस पूरे मामले में कब और कैसे जांच होगी? वहीं दोषी ठहराए जाने पर संबंधित जन किस प्रकार के दंड से वसूली होगी?

आरोपियों ने लगाया आरोप, जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 6 से सामिल सदस्य सामिरा मिश्रा ने लगाया ये धोखा। वह जिले के सदस्य बने हुए हैं, चिड़ियाघर हाई स्कूल खैरहनी में अतिथि शिक्षक के पद पर भी कर्मचारी हैं? जन जातीय कार्य विभाग जिसमें चुनाव आयोग को शामिल किया गया है, में श्रीमती मिश्रा डबल लाभ प्राप्त कर रही हैं, जो निश्चित रूप से अपराध की श्रेणी में आता है। बताया गया है कि, उक्त जिले के सदस्य के पति भी भाजपा के नेता हैं, उनके यहां इस मामले की अनदेखी की जा रही है। शिकायत पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि, अतिथि शिक्षक के निवास के दौरान कई बार सोनिया मिश्रा जिले की बैठकों में शामिल हुईं। साथ ही उन्होंने अतिथि शिक्षक की उपस्थिति में भी विद्यालय में प्रवेश किया है। उन्होंने इस बात का विरोध किया कि दोनों ने अपने बैंक में एक ही नोट प्राप्त कर रखा है। जिस प्रकार से दोहरा लाभ लिया जा रहा है, कहीं न कहीं किसी एक वास्तविक शीर्षक के हक का हनन भी हुआ है। मेन्स एवं उलाइन मामले की शिकायत स्कूल शिक्षा विभाग के सीएम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से भी की गई है। प्रस्ताव, शिकायत होने की सत्यता जांच के बाद ही सामने आई पहचान और सच साबित करने वाली कार्रवाई भी देखने योग्य होगी! वहीं इस मामले में उद्यमिता की धारा के तहत रसायन विज्ञान प्रकरण के तहत अपराधिक प्रकरण का पंचीकरण किया जा सकता है। इस प्रकार की धोखाधड़ी के लिए भारतीय दंड विधान 420, जो अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318, उपलब्ध है, उपलब्ध है। बताया गया है कि, एक व्यक्ति दो तीर्थस्थलों में शामिल हो सकता है, राजीज मासिक पुस्तकालय के रूप में शासन नहीं ले सकता है।

सिद्धार्थनगर में स्वर्ण व्यावसायी के घर से 20 लाख के जेवरात व डेढ़ लाख नकदी चोरी

स्वतंत्र प्रभात

सिद्धार्थनगर। जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बिजौरा पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर स्थित बेलवा दरिया बख्श गांव में एक घर से चोरों ने लगभग 20 लाख रुपए के सोने के बने आभूषण व चांदी तथा एक डेढ़ लाख नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित रामानंद सोनी पुत्र भानु सोनी बलरामपुर जिले के कठेर गांव में सोने चांदी के आभूषण की दुकान चलता हैं,घर पर भी दुकान चलती है। वह बुधवार की देर रात डुमरियागंज से कुछ आभूषण लेकर देर रात अपने घर आए।उसके बाद भोजन पानी करने बाद सो गए।भोर में तीन बजे उनके भाई आनंद उठे तो देखा कि दरवाजा बाहर से बंद है,उन्होंने अपने भाई रामानन्द को आवाज दी वह उठे,लेकिन उनके भी कमरे का दरवाजा बंद था।किसी तरह आंनद ने दरवाजा अपना दरवाजा जोर देकर खोला, और बाहर आकर देखा तो होश उड़ गया।

आलमारी,संदूक व तिजोरी का ताला टूटा हुआ था।इस दौरान लगभग 150 ग्राम सोना से निर्मित पत्नी के आभूषण ,100 ग्राम दुकान का आभूषण व 4 किलो सहित डेढ़ नकदी लेकर फरार हो गये। सुबह पुलिस इसकी सूचना दी।मौके पर पहुची पुलिस छानबीन में जुटी रही,मौके पर सीओ डुमरियागंज व फोरेंसिक टीम भी पहुच गयी।उन्होंने जरूरी साक्ष्य लिए व गहनता से पूछताछ में लगे रहे।थानाध्यक्ष विपिन सिंह राठौर ने बताया कि तहरीर मिली है,उसी के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाई की जा रही है और शीघ्र ही घटना का पर्दाफाश हो जाएगा।

मजार पर नित्य क्रिया करने से पनपा आक्रोश

अलीगढ़। थाना अकराबाद क्षेत्र के नानऊ पैंठ मैदान में किसान नेता ने शराब पीकर मजार पर नित्य क्रिया कर धार्मिक भावनाओं को आहत करते हुये भड़काने का कार्य किया है। किसान नेता के इस कृत्य से विशेष समुदाय के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बादस्थानीय पुलिस हरकत में आ गई है और मामले की जांच करते हुये दोषी किसान नेता की तलाश कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार किसान यूनियन भानु गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष का शराब पीकर मजार पर नित्य क्रिया करते हुए का वीडियो वायरल हो रहा हैं। किसान नेता द्वारा मजार पर नित्य क्रिया करने पर समुदाय विशेष के लोगों में रोष व्याप्त है। किसान नेता द्वारा मजार पर नित्य क्रिया कर इलाके का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया है।

मथुरा में फैक्ट्री के अंदर घातक रसायनों से तैयार किया जा रहा था पनीर

- फैक्ट्री में सोयाबीन पाउडर, चूने का घोल, एसिटिक एसिड और हाइड्रोजन पेराक्साइड जैसे रसायन का भंडार मिला
- 1100 किलो तैयार पनीर के अलावा दूसरी खाद्य वस्तु भी मौके से की बरामद

स्वतंत्र प्रभात

पनीर बनाने की फैक्ट्री पर कार्यवाही करते हुए टीम के अधिकारी।

मथुरा। मथुरा में बेहद खतरनाक तरीके से स्वास्थ्य के लिए घातक रसायनों से हजारों किलो पनीर प्रतिदिन फैक्ट्री में तैयार किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने इनपुट मिलने के बाद जाल बिछाया और फैक्ट्री पर पुलिस की मौजूदगी में दलबल के साथ छापामार। छापामार कार्यवाही के दौरान फैक्ट्री के अंदर का नजारा देख कर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम में शामिल मिल अधिकारी भी अचंभित रह गये। संचालक के पास इस तरह का कारोबार करने के लिए किसी तरह का कोई लाइसेंस नहीं था। बरसाना में संचालित इस अवैध फैक्ट्री से 1100 किलो पनीर जब्त किया गया जबकि खाद्य सुरक्षा टीम ने कारखाने में की छापेमारी के दौरान 6 सैंपल लिए जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जनपद के अलग अलग स्थान पर छापामार कार्रवाई की है।

बरसाना स्थित एक पनीर फैक्ट्री पर छापेमारी की गई। सहायक आयुक्त धीरेंद्र प्रताप सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान टीम को परिसर में पनीर का निर्माण होते हुए मिला। फैक्ट्री में खाद्य व्यवसाय के लिए आवश्यक लाइसेंस नहीं था। टीम ने मौके से 3800 लीटर रिकॉम्बाइंड मिल्क, 60 किलो मिश्रित दूध और लगभग 1100 किलो तैयार पनीर जब्त किया। इसके अलावा फैक्ट्री से रिफाइंड के 13 टिन सोयाबीन पाउडर, 13 टीन प्रत्येक टीन में 15 लीटर रिफाइन पामोलीन था। प्लास्टिक के डिब्बे में सात किलो चूने का घोल, पनीर बनाने के लिए एक ड्रम में 40 किलो मिश्रित घोल, एक कैन में 30 लीटर एसिडिक ऐसिड, 25 लीटार हाइड्रोजन पर आक्साइड आदि सामान बरामद किया। कार्यवाही करने वाली टीम में सहायक आयुक्त खाद्य धीरेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ज्ञानपाल सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरूण कुमार आदि थे। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई करते हुए टीम ने कुल 6 नमूने लिए। इनमें पनीर के 2 नमूने, रिफाइंड तेल का 1 नमूना, चूने के घोल के 2 नमूने और पनीर बनाने में प्रयुक्त घोल का 1 नमूना शामिल है। सभी नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए हैं।

माया टीला हादसे के मुख्य आरोपी सुनील चैन पर लगाई रासुका

- माया टीला खुदाई प्रकरण में की गई बडी कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात

मथुरा। गोविन्दनगर क्षेत्र में 15 जून को माया टीला की अवैध खुदाई मे मकान ढह जाने के कारण मलवे मे दबकर एक व्यक्ति और दो बच्चो की मृत्यु हो गई थी। घटना से सम्बन्धित जिला कारागार में निरुद्ध अभियुक्त और घटना के मुख्य आरोपी के विरूद्ध थाना गोविन्द नगर पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है। कई लोग बेघर हो गये थे तथा माया टीला के निवासियों में भय व्याप्त हो गया था एवं लोग आक्रोशित हो गये थे, लोक व्यवस्था पूर्णतः छिन्न भिन्न हो गयी थी जिसे सुचारू रुप से चलाने के लिये पुलिस प्रशासन द्वारा काफी मशक्कत की गयी थी। इस सम्बन्ध मे थाना गोविन्दनगर पर धारा 105 बीएनएस बनाम सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन पुत्र बीडी गुप्ता निवासी गली कानूनगो मण्डी रामदास थाना गोविन्दनगर जिला मथुरा व उसके अन्य साथियो के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त व मुख्य आरोपी सुनील गुप्ता के विरुद्ध 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। फरार चल रहे अभियुक्तस सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन को थाना गोविन्दनगर पुलिस ने 17 जून को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अभियुक्त सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन वर्तमान में जिला कारागार मथुरा में निरुद्ध है जो जमानत पर छूटने के लिये भरसक प्रयास कर रहा था। इसके जमानत पर रिहा होने से लोक व्यवस्था पुनः छिन्न भिन्न होने की पूर्ण सम्भावना व गवाहों को डराने धमकाने व साक्ष्यों को प्रभावित करने की प्रबल संभावना को दृष्टिगत रखते हुए जैसा कि यह पूर्व में भी करता रहा है। इसके विरूद्ध पूर्व मे भी कई अभियोग पंजीकृत है। लोक व्यवस्था के प्रतिकूल कार्यवाहियो को रोकने के उद्देश्य से जनहित मे प्रभारी निरीक्षक थाना गोविन्दनगर द्वारा दो जुलाई को सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3(2) की कार्यवाही की गयी है।

सुनील चैन का आराधिक रिकार्ड

वर्ष 2025 में धारा 105 बीएनएस के तहत थाना गोविन्दनगर पर अभियोग पंजीकृत हुआ। 2024 में धारा 120बी, 307, 323, 420, 467, 468, 471, 504, 506 आईपीसी में थाना गोवर्धन पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। वर्ष 2018 में धारा 302, 201, 120 बी आईपीसी में थाना सुरीर पर अभियोग दर्ज हुंआ था। वर्ष 2019 में धारा 363, 366 आईपीसी व पोक्सो एक्ट में थाना गोविन्दनगर मुकदमा दर्ज हुंआ था। चैन के खिलाफ वर्ष 2020 में धारा 323, 324, 504, 506, 336, 34 आईपीसी में थाना गोविन्दनगर पर रिपोर्ट लिखी गई थी।

वर्जन- माया टीला धंसने से तीन निर्दोषों की जान गई थी। उस घटना के कारण समूचे मथुरा जनपद में आम नागरिकों में दहशत और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया था जिसके चलते 55 वर्षीय अभियुक्त सुनील चैन पुत्र बीडी गुप्ता निवासी गली कानूनगो मंडी रामदास पर रासुका लगाने की कार्रवाई की गई है।- सीपी सिंह, जिलाधिकारी मथुरा

वर्जन- रासुका लगाने की कार्रवाई की सूचना न्यायालय और जेल प्रशासन को दे दी गई है। इस घटना में फरार आरोपी कन्नू अग्रवाल के खिलाफ कुर्की की कार्यवाही की जा रही है। जिला जेल में रासुका के आदेश की एक प्रति सुनील चैन को पढ़कर सुनाई गयी और उपलब्ध भी कराई गयी है। - श्लोक कुमार, एसएसपी मथुरा

दबंगों ने युवक को कुल्हाड़ी मारकर किया गम्भीर घायल

- जिला अस्पताल में युवक की हालत नाजुक बनी हुई है
- दबंग पिता को भी दे रहे हैं जान मारने की धमकी

मथुरा- जनपद में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है एक युवक को दबंगों ने कुल्हाड़ी मारकर किया गम्भीर रूप से घायल, पुलिस ने अभी तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया है मिली जानकारी के अनुसार थाना हाईवे के अंतर्गत पन्ना पोखर चौकी क्षेत्र में श्रीपाल सिंह निवासी शिवपुरी कॉलोनी के बेटा नीरज को कॉलोनी के ही रहने वाले राजेंद्र पुत्र विजय ने अपने साथ अन्य तीन लोगों को साथ लेकर घर में घुसकर लाठी डंडों से मारते हुए कुल्हाड़ी मारकर गंभीर घायल कर दिया और नीरज को पकडकर सड़क पर डाल दिया बड़ी मुश्किल से एक पड़ोसी और राहगीरों ने बचाया।

राजेंद्र अपनी साथियों के साथ इसके पिता को भी देख लेंगे धमकी देते हुए भाग गया, नीरज के सिर में चोट लगने के कारण बेहोश हो गया होस में आने पर उसने बताया कि मेरे घर के सामने यह लोग एक आदमी को मार रहे थे मैंने उसका बीच बचाव किया तो इसलिए मेरा यह हाल कर दिया है। पीड़ित के पिता श्रीपाल को सूचना मिली तुरंत घर पहुंचा 112 बुलाकर अपने बेटे को थाने ले गया और जिला अस्पताल में भर्ती करादिया।

नीरज घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती

पिता ने बताया में अपनी तहरीर लेकर थाने गया तो पुलिस ने जांच कर मुकदमा लिखने को कहा।